तापमान
अधिकतम 34 .0 डिग्री
न्यूनतम 28 .0 डिग्री

हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, रविवार, 3 अगस्त 2025

10 आलोचना झेलने के बाद निगम ने किया शहर से पानी निकासी के प्रबंध

10 एचएयू के छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर पर लहराया परचम

खबर संक्षेप

युवक से 60 किलोग्राम डोडा पोस्त किया बरामद

हिसार। नशीले पदार्थों के अवैध व्यापार के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस की एबीवीटी टीम ने बड़ी सफलता प्राप्त की है। टीम प्रभारी उप निरीक्षक धर्मवीर ने बताया कि पुलिस टीम गश्त के दौरान मिली गुप्त सूचना के आधार पर चौधरीवास-गावड़ रोड पर नाकाबंदी कर रही थी। इसी दौरान गावड़ की ओर से आ रही एक संदिग्ध क्रेटा गाड़ी को रुकवाया गया। चालक से नाम व पता पूछने पर उसने अपना नाम राजस्थान के बीकानेर जिले के गांव खाजूवाला निवासी विजयपाल बताया। पुलिस उप अधीक्षक कमलजीत की मौजूदगी में गाड़ी की तलाशी ली गई, जिसमें डिग्गी से एक प्लास्टिक के कट्टे में 60 किलोग्राम डोडा पोस्त बरामद किया गया।

चेन स्नेचिंग के मामले में पांच का इनामी गिरफ्तार

हिसार। स्पेशल स्टाफ पुलिस टीम ने चेन स्नैचिंग के एक मामले में पांच हजार के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान उत्तर प्रदेश के शामली जिले के मस्तगढ़ निवासी रवींद्र उर्फ शिवा के रूप में हुई है। उप निरीक्षक कृष्ण ने बताया कि इस संबंध में मॉडल टाउन निवासी मीनाक्षी ने अर्बन एस्टेट थाना में शिकायत दर्ज कराई थी कि 13 मई 2024 की शाम लगभग 10 बजे वह मोंगिया किराना स्टोर पर नोटबुक लेने गई थी। उसी दौरान एक युवक सामान लेने के बहाने स्टोर में आया और अचानक उसके गले में पहना मंगलसूत्र छीनकर अपने साथी के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर फरार हो गया।

ग्रामीणों में भय का माहौल और पानी आया तो हो सकता खतरनाक

पातन के पास ड्रेन ओवरफ्लो खेतों व गांवों में फैला पानी

हिसार। पातन के पास ओवरफ्लो हुई ड्रेन के तट मजबूत करने के प्रयास में लगे मनरेगा मजदूर व जेसीबी चालक।

सूचना के बाद मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने ग्रामीणों की मदद से शुरू करवाया काम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

निकटवर्ती गांव पातन के पास ड्रेन ओवरफ्लो होने के कारण क्षेत्र के लोगों में भय का माहौल है। ड्रेन ओवरफ्लो की सूचना मिलने के बाद अधिकारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों व मनरेगा कर्मचारियों के अलावा जेसीबी मशीनों और अन्य साधनों से तटबंध मजबूत करवाए। पातन व साथ लगते गांवों में खतरा लगातार मंडरा रहा है क्योंकि पीछे से पानी लगातार इस ड्रेन में आ रहा है। अधिकारियों को इस बात की चिंता सता रही है कि यदि जींद, भिवानी, हांसी व नारनौंद क्षेत्र से इस ड्रेन में और पानी डाल दिया गया तो स्थिति खतरनाक हो सकती है। जिले के गांव के पास शनिवार को यह ड्रेन ओवरफ्लो हुई। ड्रेन के ओवरफ्लो होने की सूचना ग्रामीणों ने अधिकारियों को दी और वे अपने स्तर पर भी इसके तट मजबूत करने में जुट गए। मौके पर अधिकारी व कर्मचारी भी पहुंचे गए और ड्रेन ओवरफ्लो का नुकसान कम करने की जुगत में लग गए लेकिन देखते ही देखते ओवरफ्लो हुआ पानी पहले खेतों में और फिर गांवों की ओर बढ़ने लगा। इस ड्रेन में लगातार बढ़ते ता रहे बरसाती पानी को देखते हुए ग्रामीणों के चेहरों पर चिंता की लकीरें साफ देखी जा रही है।

पिछले कई दिनों से बरसाती सीजन के चलते इस ड्रेन में पानी लगातार बढ़ता जा रहा है। क्षमता से ज्यादा पानी आने और ड्रेन के कच्चे होने के कारण ही यह पातन गांव के पास ओवरफ्लो हो गया। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना जिला प्रशासन को दी और तब तक अपने स्तर पर पानी को रोकने का प्रयास किया। प्रशासनिक अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। वे ग्रामीणों के सहयोग से मनरेगा कर्मियों की मदद से बहते पानी को रोकने का प्रयास कर रहे हैं। पानी के तेज बहाव के कारण यह गांव की ओर तेजी से बढ़ रहा है। ड्रेन के पानी ने दर्जनों एकड़ में खड़ी फसल को अपनी चपेट में ले लिया है। देर रात तक इस ड्रेन के तटबंध मजबूत करने का कार्य जारी रहा और अधिकारी व कर्मचारी मौके पर मौजूद रहकर स्थिति की निगरानी करते रहे।

चुली के पास भी ड्रेन खतरे के निशान पर

आदमपुर क्षेत्र के गांव चुली देशवाली के पास भी यह ड्रेन खतरे के निशान से उपर बह रही है। ग्रामीणों में चिंता व भय का माहौल है। किसान सभा के नेताओं ने प्रशासन से बात की और खुद किसान सभा नेता सतबीर धायल, कपूर सिह बगला, रघुबीर सिंह मडेरना, धर्म सिह बैनीवाल, सतीश बैनीवाल सहित अन्य मौके पर पहुचे और प्रशासन ने भी अपना काम शुरू किया ताकि समय रहते इसके तटों को मजबूत किया जा सके।

चौधरी माइनर टूटी, पानी फैला

उधर, नजदीकी गांव बालसमंद के पास चौधरी माइनर एक बार फिर टूट गई। इस सप्ताह में यह माइनर दूसरी बार टूटी है। सूचना मिलने के बाद विभागीय अधिकारी व कर्मचारी पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से माइनर पर बांधकर नियंत्रित किया। ग्रामीणों ने अधिकारियों से इस पूरी माइनर के कमजोर तटों की मरम्मत की मांग की है।

बरवाला के पूर्व विधायक इन्द्र सिंह नैन का निधन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बरवाला

क्षेत्र के पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ अधिवक्ता इंद्र सिंह नैन का निधन हो गया। लगभग 92 वर्षीय पूर्व विधायक कुछ समय से बीमार चल रहे थे। उनका हिसार के निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था।

पूर्व विधायक इन्द्र सिंह नैन का शनिवार को उनके पैतृक गांव हसनगढ़ में अंतिम संस्कार कर दिया गया। इसमें बड़ी संख्या में सामाजिक और राजनीतिक दलों से जुड़े लोग शामिल हुए। उनके कोई संतान नहीं थी। भतीजे जयवीर ने उन्हें मुखाग्नि दी। इंद्र सिंह नैन लंबे समय से कांग्रेस पार्टी से जुड़े रहे। वे कांग्रेस के टिकट पर 1982 में विधानसभा चुनाव जीते और 1987 तक बरवाला से विधायक रहे। उनके निधन पर बरवाला के मौजूदा विधायक व सरकार में कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने दुख जताया है। पूर्व विधायक के निधन का समाचार मिलने के साथ ही ग्रामीण उनके पैतृक आवास के आगे इकट्ठा होने शुरू हो गए। उनका पार्थिव शरीर हिसार के आजाद नगर स्थित आवास से गांव पहुंचा, जहां उनकी अंतिम यात्रा निकाली गई। इसके बाद उनका गांव के ही श्मशान घाट में अंतिम संस्कार किया गया। ग्रामीणों ने बताया कि इंद्र सिंह नैन एक सामाजिक व्यक्ति थे और लोगों के सुख-दुख में शामिल होते थे। इंद्र सिंह नैन कांग्रेस सरकार में हैफेड के चेयरमैन रहे। इस दौरान उन्होंने अपने गांव सहित कई गांवों में किसानों के लिए अनाज बिक्री केंद्र बनाए थे। इंद्र सिंह नैन से बंसीलाल के साथ हरियाणा विकास पार्टी (हविपा) में शामिल होकर नरवाना विधानसभा से भी चुनाव लड़ा था, लेकिन हार गए थे।

विभाजन की विभीषिका मानवीय संवेदनाओं को झकझोर देने वाली त्रासदी : भयाना

हिसार। पत्रकारों से बातचीत करते हांसी विधायक विनोद भयाना।

हिसार। हांसी से भाजपा विधायक विनोद भयाना ने कहा कि विभाजन की विभीषिका भारतीय इतिहास की सबसे दर्दनाक घटनाओं में से एक है, जिसका प्रभाव आज भी भारतीय समाज में गहराई से महसूस किया जा सकता है। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के हिसार जिला व फतेबाद जिला के संयोजक विनोद भयाना ने शनिवार को पार्टी कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि 15 अगस्त 1947 को देश को स्वतंत्रता मिली, लेकिन साथ ही यह स्वतंत्रता एक विभाजन की पीड़ा भी साथ लाई। इस विभाजन ने लाखों लोगों की जान ली, लाखों परिवारों को बेघर किया और सांस्कृतिक विरासत को भी छिन्न-भिन्न कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस त्रासदी को ऐतिहासिक सम्मान देने के लिए 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में घोषित करना एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष यह दिवस राज्य स्तर पर फरीदाबाद में बड़े स्तर पर मनाया जाएगा, जहां प्रदेशभर से भारी संख्या में लोग उपस्थित रहेंगे।

1,40,633 किसानों के खातों में 30 करोड़ 53 लाख रुपये से ज्यादा की राशि जारी

हिसार। कार्यक्रम में उपस्थित कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा, विधायक सावित्री जिंदल एवं विधायक।

- पीएम किसान सम्मान निधि योजना किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण योजना : रणबीर गंगवा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पीएम किसान सम्मान निधि योजना की किस्त जारी की। इस अवसर पर स्थानीय अनाज मंडी में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा मुख्यातिथि तथा विधायक सावित्री जिंदल व विधायक रणधीर पनिहार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अपने संबोधन में कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण योजना है। आज हिसार के भी 1 लाख 40 हज़ार 633 लाभार्थी किसानों के खातों में 30 करोड़ 53 लाख 96 हजार रुपये की सहायता राशि जारी की गई है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि निम्न आय वर्ग की आर्थिक उन्नति वर्तमान सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता है। वर्तमान सरकार के लगभग 11 साल के कार्यकाल में पूरे विश्व में भारत को नई पहचान मिली है। वोकल फॉर लोकल और मेक इन इंडिया जैसे महत्वपूर्ण अभियान से सभी वर्गों को लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में आतंकवाद पर कड़ा प्रहार किया गया है। पहलगाम हमले के दोषियों को कड़ी सजा देने के लिए पाकिस्तान के भीतर घुसकर किया गया हमला इसका उदाहरण है। आज देश का नेतृत्व मजबूत हाथों में है। हमने वर्ष 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष आशा खेदड़, हिसार एसडीएम ज्योति मित्तल, पूर्व चेयरमैन सतबीर वर्मा, पूर्व सीनियर डिप्टी मेयर अनिल मानी, संजीव रेवड़ी, रामावतार गोयल, पवन गर्ग, डॉ. शमीश शर्मा, ललित शर्मा सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

कल्सन सहित तीन अधिवक्ता न्यायिक हिरासत में

हिसार। न्यायिक दंडाधिकारी राजीव की अदालत ने एडवोकेट रजत कल्सन, एडवोकेट परवेश महिपाल और एडवोकेट दीपक सैनी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। तीनों अधिवक्ताओं को आगामी 4 अगस्त के लिए न्यायिक आदेश के साथ जेल भेजा गया है। कोर्ट ने शनिवार को उक्त तिथि पर जमानत याचिकाओं पर सुनवाई के लिए नोटिस जारी किया है। अब 4 अगस्त को अधिवक्ताओं की ओर से जमानत पर बहस होगी। बता दें कि इससे पहले कल्सन को बुडाना हत्याकांड में भड़काऊ बयान देने के मामले में हांसी कोर्ट से उन्हें जमानत मिल चुकी थी, लेकिन वहीं से हिसार पुलिस ने मारपीट के एक पुराने केस में उन्हें दोबारा गिरफ्तार कर लिया। शहर थाना पुलिस को दी शिकायत में एसआई रविकांत ने बताया कि नारनौंद थाना पुलिस और शहर की स्पेशल टीम 30 जुलाई को रजत कल्सन की गिरफ्तारी के लिए पुरानी ऑटो मार्केट पहुंची थी। एक कार में रजत कल्सन तीन अन्य युवकों के साथ बैठा हुआ था और शराब पी रहा था। जब पुलिस ने उन्हें नोटिस देने की बात कही, तो कल्सन ने गाली-गलौज शुरू कर दी और कार से उतरकर मारपीट करने लगा। इस झड़प में एक पुलिसकर्मी घायल भी हुआ। मारपीट के मामले में पुलिस ने अधिवक्ता रजत कल्सन को गिरफ्तार कर एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया था।

- तीनों की जमानत याचिका पर चार अगस्त को होगी सुनवाई

ओवरलोड वाहनों पर सीएम फ्लाइंग व आरटीए की कार्रवाई

- 1.61 लाख का जुर्माना, दो वाहन इम्पाउंड
- हिसार व हांसी में चला चेकिंग अभियान
- सीएम फ्लाइंग टीम इंचार्ज सुनैना ने की अगुवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार व हांसी क्षेत्र में ओवरलोडिंग के खिलाफ सीएम फ्लाइंग टीम एक विशेष जांच अभियान चलाया गया। यह कार्रवाई क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण (आरटीए) हिसार के अधिकारियों के साथ की गई, जिसमें चार ओवरलोड वाहनों पर कुल एक लाख 61 हजार का जुर्माना लगाया गया, जबकि दो वाहनों को मौके पर चालान राशि जमा न करने पर जब्त कर लिया गया।

इस संयुक्त जांच अभियान का नेतृत्व सीएम फ्लाइंग हिसार रेंज की इंचार्ज सुनैना ने किया। उनके साथ क्षेत्रीय परिवहन निरीक्षक प्रदीप कुमार व एएसआई सुरेंद्र कुमार भी मौजूद रहे। सीएम फ्लाइंग रेंज इंचार्ज सुनैना ने बताया कि टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि हिसार व हांसी क्षेत्र में कुछ कमर्शियल वाहन तय सीमा से अधिक माल भरकर सड़कों पर दौड़ रहे हैं। इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए टीम ने दोनों क्षेत्रों में सघन जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान हांसी क्षेत्र में एक कैंटर पर 26 हजाार तथा दूसरे कैंटर पर 35 हजार का जुर्माना लगाया गया।

वहीं हिसार क्षेत्र में एक ट्राले पर 39 हजार व दूसरे बड़े ट्राले पर 61 हजार का जुर्माना लगाया गया। कुल मिलाकर एक लाख 61 हजार की पेनल्टी लगाई गई और दो ओवरलोड वाहन, एक ट्राला व एक कैंटर-को मौके पर इम्पाउंड किया गया।

सीएम फ्लाइंग रेंज इंचार्ज सुनैना ने वाहन चालकों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने वाहनों के पंजीकरण, परमिट, फिटनेस, टैक्स, बीमा, प्रदूषण प्रमाणपत्र और ड्राइविंग लाइसेंस जैसे आवश्यक दस्तावेज पूरे रखें और किसी भी सूरत में ओवरलोडिंग से परहेज करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि नियमों की अवहेलना करने वालों के विरुद्ध आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

हिसार। वाहनों पर कार्रवाई करते अधिकारी।

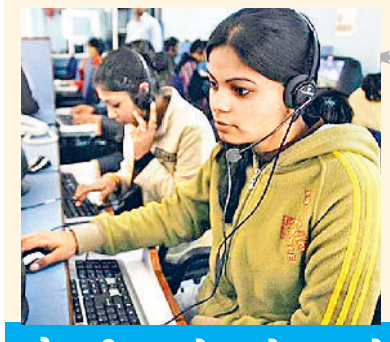

नौकरी करने वाले न करें ये फाइनेंशियल गलतियां वर्ना पड़ सकता है पछताना

सुझाव | बिजनेस डेस्क

नौकरीपेशा लोगों के लिए वित्तीय स्थिरता हासिल करना महत्वपूर्ण होता है। लेकिन अनजाने में की गई कुछ सामान्य गलतियां, बचत और भविष्य की योजनाओं को प्रभावित कर सकती हैं। सैलरी बढ़ने के साथ खर्च बढ़ाना, क्रेडिट कार्ड का गलत इस्तेमाल, बचत और निवेश को नजरअंदाज करना, इमरजेंसी फंड की कमी, और बजट न बनाना जैसी गलतियां आगे चलकर वित्तीय संकट का कारण बन सकती हैं। इन गलतियों से बचकर आप अपने वित्तीय लक्ष्यों को आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। आइए इन पांच वित्तीय गलतियों और उनसे बचने के तरीकों के बारे में जानते हैं।

सैलरी बढ़ने पर खर्च बढ़ाना

सैलरी बढ़ते ही लोग अक्सर अपने खर्चों को भी बढ़ा लेते हैं, जिसे 'लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन' कहा जाता है। महंगे गैजेट्स, लग्जरी आइटम्स या बार-बार बाहर खाने जैसे फालतू खर्चे आपकी बचत को खत्म कर सकते हैं। इसका समाधान यह है कि अपनी बढ़ी हुई सैलरी का कम से कम 50 फीसद हिस्सा बचत या निवेश में लगाएं। उदाहरण के लिए, अगर आपकी सैलरी में 10,000 रुपये की वृद्धि होती है, तो कम से कम 5,000 रुपये को बचत खाते, म्यूचुअल फंड या अन्य निवेश विकल्पों में डालें।

क्रेडिट कार्ड का गलत इस्तेमाल

सैलरी बढ़ने के साथ कई लोग क्रेडिट कार्ड ले लेते हैं और हर छोटी-बड़ी खरीदारी के लिए इसका उपयोग शुरू कर देते हैं। क्रेडिट कार्ड के चार्जेस, लेट फी, और ब्याज दरों की जानकारी न होने पर यह वित्तीय बोझ बन सकता है। क्रेडिट कार्ड का उपयोग सीमित और सोच-समझकर करें। बिल समय पर चुकाएं और अनावश्यक खरीदारी से बचें। हमेशा अपने क्रेडिट कार्ड की शर्तों, जैसे वार्षिक शुल्क और ब्याज दर, को समझ लें ताकि आप अतिरिक्त खर्चों से बच सकें।

बचत को नजरअंदाज करना

कई लोग सोचते हैं कि बचत और निवेश 30-35 साल की उम्र में शुरू करना चाहिए, लेकिन यह एक बड़ी गलती है। पहली नौकरी से ही अपनी सैलरी का 20-30 फीसद हिस्सा बचत और निवेश में लगाना शुरू करें। उदाहरण के लिए, सिप (एसआईपी) के माध्यम से म्यूचुअल फंड में छोटी राशि से निवेश शुरू करें, जो लंबे समय में चक्रवृद्धि ब्याज के साथ बढ़ेगा। जल्दी शुरू करने से आपके पास रिटायरमेंट या बड़े वित्तीय लक्ष्यों के लिए पर्याप्त धन जमा हो सकता है।

हेल्थ इंश्योरेंस की अनदेखी

इमरजेंसी फंड और हेल्थ इंश्योरेंस को टालना वित्तीय सुरक्षा के लिए खतरनाक हो सकता है। अप्रत्याशित खर्चों, जैसे मेडिकल इमरजेंसी या नौकरी छूटने की स्थिति, के लिए कम से कम 6 महीने का इमरजेंसी फंड जरूरी है। उदाहरण के लिए, अगर आपका मासिक खर्च 50,000 रुपये है, तो 3 लाख रुपये का फंड बनाएं। इसके अलावा, एक अच्छा हेल्थ इंश्योरेंस प्लान लें, जो अस्पताल के खर्चों को कवर करे और आपकी बचत को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण मददगार साबित होगा।

बजट न बनाना

अगर आपको यह नहीं पता कि आपकी सैलरी कहां खर्च हो रही है, तो पैसा जल्दी खत्म हो सकता है। बिना बजट बनाए खर्च करना वित्तीय अनुशासन को तोड़ता है। बजट बनाकर अपने खर्चों को श्रेणियों में बांटें, जैसे किराया, किराना, बचत, और मनोरंजन। उदाहरण के लिए, 50-30-20 नियम का पालन करें। सैलरी का 50 फीसद जरूरी खर्चों पर, 30 फीसद इच्छाओं की पूर्ति करने पर और 20 फीसद बचत व निवेश के लिए आवंटित किया जाना चाहिए। बजट बनाने से आप अनावश्यक खर्चों को कम कर सकते हैं और अपने वित्तीय लक्ष्यों की ओर बढ़ सकते हैं।

वित्तीय अनुशासन का महत्व

इन गलतियों से बचने के लिए वित्तीय अनुशासन अपनाना जरूरी है। नियमित रूप से अपनी आय और खर्चों की समीक्षा करें, और अपने वित्तीय लक्ष्य निर्धारित करें, जैसे घर खरीदना या रिटायरमेंट प्लानिंग। छोटे-छोटे कदम, जैसे ऑटोमेटेड बचत खाता या एसआईपी , लंबे समय में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। अगर आप निवेश के विकल्पों को समझने में नए हैं, तो वित्तीय सलाहकार की मदद लेना फायदेमंद हो सकता है।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

25 से 35% की दर से दे रहे हैं रिटर्न, इनकी रेटिंग भी हाई, अगर किसी एमएफ की स्कीम की टॉप रेटिंग है, तो फंड बेहतर विकल्प

निवेश के लिए सबसे सस्ते म्यूचुअल फंड, दिला सकते हैं बढ़िया रिटर्न

स्कीम का एक्सपेंस रेश्यो कम है तो आपके निवेश की लागत कम होगी

म्यूचुअल फंड में निवेश करते समय जिन बातों का खास तौर पर ध्यान रखना चाहिए, उनमें उनका एक्सपेंस रेश्यो और रेटिंग भी है। किसी म्यूचुअल फंड स्कीम का एक्सपेंस रेश्यो कम होने का मतलब है कि आपके निवेश की लागत कम होगी। वहीं, म्यूचुअल फंड स्कीम का ट्रैक रिकॉर्ड और निवेश की रणनीति के आधार पर उसकी रेटिंग बनती है। अगर ये दोनों बातें पॉजिटिव हैं, यानी एक्सपेंस रेश्यो बहुत कम है और साथ में फंड को टॉप रेटिंग मिली है, तो इसका मतलब है कि वह फंड बेहतर विकल्प बन सकता है। अगर इसके बाद भी उनके प्रदर्शन को लेकर आशंका है तो हमने ऐसे 7 इक्विटी स्कीम की जानकारी दी है, जिनका एक्सपेंस रेश्यो कम है, रेटिंग मजबूत है और उन्होंने 5 साल की अवधि में हाई रिटर्न भी दिया है। चाहे लम्प सम हो या एसआईपी। आप भी इन पर विचार कर सकते हैं।

बंधन स्मॉल कैप फंड

बंधन स्मॉलकैप फंड का एक्सपेंस रेश्यो 0.39 फीसदी है और इसे वैल्यू रिसर्च पर 5 स्टार की मजबूत रेटिंग मिली है। फंड ने 5 साल में लम्स सम पर 37.47 फीसदी सालाना और 5 साल की एसआईपी में 33.96 फीसदी सालाना रिटर्न दिया है।

- एक्सपेंस रेश्यो : 0.39%
- रेटिंग : 5 स्टार
- 5 साल का लम्प सम रिटर्न : 37.47% सालाना
- 5 साल का एसआईपी रिटर्न : 33.96% सालाना
- कुल एसेट्स : 12,982 करोड़ रुपये (30 जून, 2025)
- मिनिमम लम्स सम : 1,000 रुपये
- मिनिमम एसआईपी : 100 रुपये

एडलवाइस स्मॉल कैप फंड

एडेलवाइस स्मॉलकैप फंड का एक्सपेंस रेश्यो 0.42 फीसदी है और इसे वैल्यू रिसर्च पर 4 स्टार की मजबूत रेटिंग मिली है। फंड ने 5 साल में लम्स सम पर 35.10 फीसदी सालाना और 5 साल की एसआईपी में 29.52 फीसदी सालाना रिटर्न दिया है।

- एक्सपेंस रेश्यो : 0.42%
- रेटिंग : 4 स्टार
- 5 साल का लम्प सम रिटर्न : 35.10% सालाना
- 5 साल का एसआईपी रिटर्न : 29.52% सालाना
- कुल एसेट्स : 4,930 करोड़ रुपये (30 जून, 2025)
- मिनिमम लम्स सम : 100 रुपये
- मिनिमम एसआईपी : 100 रुपये

एडेलवाइस फ्लेक्सी कैप फंड

एडेलवाइस फ्लेक्सी कैप फंड का एक्सपेंस रेश्यो 0.43 फीसदी है। इसे वैल्यू रिसर्च पर 4 स्टार की मजबूत रेटिंग मिली है। फंड ने 5 साल में लम्स सम पर 24.54 फीसदी सालाना और 5 साल की एसआईपी में 21.89 फीसदी सालाना रिटर्न दिया है।

- एक्सपेंस रेश्यो : 0.43%
- रेटिंग : 4 स्टार
- 5 साल का लम्प सम रिटर्न : 24.54% सालाना
- 5 साल का एसआईपी रिटर्न : 21.89% सालाना
- कुल एसेट्स : 2,802 करोड़ रुपये (30 जून, 2025)
- मिनिमम लम्स सम : 100 रुपये
- मिनिमम एसआईपी : 100 रुपये

इन्वेस्को इंडिया स्मॉलकैप फंड

इन्वेस्को इंडिया स्मॉलकैप फंड का एक्सपेंस रेश्यो 0.44 फीसदी है और इसे वैल्यू रिसर्च पर 5 स्टार की मजबूत रेटिंग मिली है। फंड ने 5 साल में लम्स सम पर 35.01 फीसदी सालाना और 5 साल की एसआईपी में 31.47 फीसदी सालाना रिटर्न दिया है।

- एक्सपेंस रेश्यो : 0.44%
- रेटिंग : 5 स्टार
- 5 साल का लम्प सम रिटर्न : 35.01% सालाना
- 5 साल का एसआईपी रिटर्न : 31.47% सालाना
- कुल एसेट्स : 7,425 करोड़ रुपये (30 जून, 2025)
- मिनिमम लम्स सम : 1,000 रुपये
- मिनिमम एसआईपी : 500 रुपये

केनरा रोबेको लार्जकैप फंड

केनरा रोबेको लार्जकैप फंड का एक्सपेंस रेश्यो 0.45 फीसदी है और इसे वैल्यू रिसर्च पर 4 स्टार की मजबूत रेटिंग मिली है। फंड ने 5 साल में लम्स सम पर 20.44 फीसदी सालाना और 5 साल की एसआईपी में 18.27 फीसदी सालाना रिटर्न दिया है।

- एक्सपेंस रेश्यो : 0.45%
- रेटिंग : 4 स्टार
- 5 साल का लम्प सम रिटर्न : 20.44% सालाना
- 5 साल का एसआईपी रिटर्न : 18.27% सालाना
- कुल एसेट्स : 16,617 करोड़ रुपये (30 जून, 2025)
- मिनिमम लम्स सम : 5,000 रुपये
- मिनिमम एसआईपी : 100 रुपये

जेएम फ्लेक्सी कैप फंड

जेएम फ्लेक्सी कैप फंड का एक्सपेंस रेश्यो 0.49 फीसदी है और इसे वैल्यू रिसर्च पर 4 स्टार की मजबूत रेटिंग मिली है। फंड ने 5 साल में लम्स सम पर 27.12 फीसदी सालाना और 5 साल की एसआईपी में 24.78 फीसदी सालाना रिटर्न दिया है।

- एक्सपेंस रेश्यो : 0.49%
- रेटिंग : 4 स्टार
- 5 साल का लम्प सम रिटर्न : 27.12% सालाना
- 5 साल का एसआईपी रिटर्न : 24.78% सालाना
- कुल एसेट्स : 6,144 करोड़ रुपये (30 जून, 2025)
- मिनिमम लम्स सम : 1,000 रुपये
- मिनिमम एसआईपी : 100 रुपये

एलआईसी म्यूचुअल फंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड

एलआईसी म्यूचुअल फंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड का एक्सपेंस रेश्यो 0.50 फीसदी है और इसे वैल्यू रिसर्च पर 4 स्टार की मजबूत रेटिंग मिली है. फंड ने 5 साल में लम्स सम पर 33.78 फीसदी सालाना और 5 साल की एसआईपी में 32.20 फीसदी सालाना रिटर्न दिया है।

- एक्सपेंस रेश्यो : 0.50%
- रेटिंग : 4 स्टार
- 5 साल का लम्प सम रिटर्न : 33.78% सालाना
- 5 साल का एसआईपी रिटर्न : 32.20% सालाना
- कुल एसेट्स : 1,053 करोड़ रुपये (30 जून, 2025)
- मिनिमम लम्स सम : 5,000 रुपये
- मिनिमम एसआईपी : 200 रुपये

किसी भी तरह के भूराजनीतिक तनाव के बीच सोना डिमांड में रहेगा

6 साल में 200% उछला सोना, अगले 5 वर्ष में सवा 2 लाख रु. का हो सकता है 10 ग्राम!

सर्राफा | बिजनेस डेस्क

1 सेफ एसेट के तौर पर जाना जाता है सोना, हर कोई करता है निवेश

"अगले पांच साल में सोने की कीमतें सवा दो लाख रुपये प्रति 10 ग्राम तक जा सकती हैं। गोल्ड बाजार के जानकारों का कहना कि सोना से सबसे लोकप्रिय और सुरक्षित निवेश के तौर पर जाना जाता है। चाहे परिस्थितियां कैसी भी हों सोने ने हमेशा से ही अच्छा और सुरक्षित रिटर्न दिया है। इस तेजी में मुख्य रूप से कोविड-19 महामारी, बेहद ज्यादा ढीली मौद्रिक नीतियों, भू-राजनीतिक तनाव और वित्तीय बाजार में अनिश्चितता का हाथ रहा। 2025 में सोने ने एमसीएक्स पर अपना रिकॉर्ड हाई 1,01,078 रुपये प्रति 10 ग्राम देखा।

एक रिपोर्ट के मुताबिक देश में सोने की कीमत पिछले 6 साल में 200 प्रतिशत तक बढ़ी हैं। मई 2019 में सोना 30,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था, लेकिन जून 2025 तक कीमत बढ़कर करीब 1,00,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से अधिक हो गई। इस साल की बात करें तो सोने की कीमतों ने 2025 में निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का भाव 30 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ा है। पिछले 6 साल पर नजर डालें तो एमसीएक्स पर सोने का भाव मई 2019 में लगभग 32,000 प्रति 10 ग्राम था। यह अब बढ़कर लगभग 97,800 प्रति 10 ग्राम हो गया है, यानि कि 200 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि।

अगले पांच साल में सोने की कीमतें सवा दो लाख रुपये प्रति 10 ग्राम तक जा सकती हैं। गोल्ड बाजार के जानकारों का कहना कि सोना से सबसे लोकप्रिय और सुरक्षित निवेश के तौर पर जाना जाता है। चाहे परिस्थितियां कैसी भी हों सोने ने हमेशा से ही अच्छा और सुरक्षित रिटर्न दिया है। इस तेजी में मुख्य रूप से कोविड-19 महामारी, बेहद ज्यादा ढीली मौद्रिक नीतियों, भू-राजनीतिक तनाव और वित्तीय बाजार में अनिश्चितता का हाथ रहा। 2025 में सोने ने एमसीएक्स पर अपना रिकॉर्ड हाई 1,01,078 रुपये प्रति 10 ग्राम देखा। लॉन्ग टर्म में संरचनात्मक रूप से ऊंची कीमतों के लिए माहौल अभी भी सपोर्टिव बना हुआ है। पोर्टफोलियो डायवर्सिफिकेशन में सोने का अहम रोल बरकरार है और आगे भी रहेगा। सोने के भविष्य की बात करें तो किसी भी तरह के भूराजनीतिक तनाव के बीच सेफ एसेट के तौर पर सोना डिमांड में रहेगा। साथ ही इसकी मांग के नए रास्ते भी खुल रहे हैं। जैसे कि कहा जा रहा है कि चीन बीमा क्षेत्र में कथित तौर पर अपने एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) का 1% सोने में लगा रहा है।

5 साल में कहां होगी कीमत

एक रिपोर्ट के मुताबिक, एक एक्सपर्ट का कहना है कि अगले 5 साल के दौरान सोने की कीमतों में शानदार तेजी जारी रह सकती है। भू-राजनीतिक तनाव और ट्रेड वॉर के चलते सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की मांग बनी रहने की उम्मीद है। पिछले 5 वर्षों में भारतीय बाजार में सोने का भाव 18% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ा। अगर यही रफ्तार जारी रही तो आगे के 5 सालों के दौरान सोने की कीमतें 2,25,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकती हैं।

कंसोलिडेशन का अनुमान

वहीं दूसरी ओर एक एजेंसी की गोल्ड स्ट्रैटेजी रिपोर्ट में कहा है कि सोने की कीमतें अब कंसोलिडेशन फेज यानि ठहराव के दौर में जा सकती हैं। आगे तेजी के लिए किसी बड़े और नए ट्रिगर की जरूरत होगी। अब ज्यादा स्पष्टता का इंतजार करना चाहिए या किसी निर्णायक ट्रिगर का, जो गोल्ड की कीमतों को फिर से पुश करे। इस बीच गोल्ड में कंसोलिडेशन यानी ठहराव का दौर रहेगा। रिपोर्ट में तेजी थमने के पीछे कई अहम कारण बताए गए हैं। जैसे कि इजराइल-ईरान और रूस-यूक्रेन के बीच भूराजनीतिक संघर्ष का असर हल्का पड़ना, टैरिफ वॉर में कमी, ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें टलना, केंद्रीय बैंकों की ओर से धीमी खरीदारी और गोल्ड की कीमतें काफी समय से ऊंचे स्तर पर होना।

स्टॉक मार्केट ऊंचाई पर हो तो बंद नहीं करें एसआईपी, संयम बरतें

बिजनेस डेस्क

जब शेयर बाजार नई ऊंचाइयों पर पहुंचता है, तो कई निवेशकों के मन में सवाल आता है कि क्या अब सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) रोक देना चाहिए? उन्हें लगता है कि ऊंचे स्तर पर निवेश करने से रिटर्न कम मिल सकता है या घाटा हो सकता है। हालांकि, इन्वेस्टमेंट एक्सपर्ट की राय इसके ठीक उलट है। उनका कहना है कि ऐसा सोचना निवेश की मूल रणनीति के खिलाफ है और इससे लंबे समय में नुकसान हो सकता है। इसलिए जब बाजार ऊंचाइयों पर हो तो निवेशकों को संयम बरतना चाहिए। इससे वे लान्ग टर्म में अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं और अपने पैसे को बढ़ा सकते हैं। ऐसे समय में निवेशकों को थोड़ा स्मार्ट और चूजी बन जाना चाहिए ताकि, आने वाले समय में परेशानी न हो। इसलिए निवेश बंद न करें और इंतजार करें। बाजार में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं।

एसआईपीऔर डिप-बायिंग को साथ चलाना समझदारी

जानकारों का कहना है कि एसआईपी को रोकने की बजाय उसे जारी रखना चाहिए और अगर आपके पास अतिरिक्त रकम है, तो बाजार में गिरावट के दौरान उसमें लंबी अवधि के नजरिए से निवेश करना बेहतर रहता है। उनके मुताबिक, मासिक बचत एसआईपी के जरिए होनी चाहिए और अगर बाजार गिरता है, तो उसमें अतिरिक्त निवेश किया जा सकता है। इससे लॉन्ग टर्म में फायदा मिलता है। हालांकि, बाजार कब गिरेगा, इसका अंदाजा लगाना आसान नहीं है। डिप्स को पहचानना मुश्किल होता है, इसलिए निवेशकों के लिए बेहतर रणनीति यह हो सकती है कि वो लंप सम राशि को एसआईपी और डिप-बायिंग दोनों के लिए अलग-अलग हिस्सों में निवेश करें।

2025 में अब तक 1.12 करोड़ एसआईपी बंद

एएमएफआई (एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया) के आंकड़ों के मुताबिक, 2025 की शुरुआत से लेकर अब तक करीब 1.12 करोड़ एसआईपी अकाउंट बंद हो चुके हैं। इसका मतलब है कि बहुत से निवेशकों ने बाजार की ऊंचाई देखकर अपनी एसआईपी रोक दी है और बाजार गिरने पर दोबारा शुरू करने की सोच रहे हैं। एसआईपी को रोकना गलत कदम है। उनके मुताबिक, जब बाजार ऊंचा होता है, तो एसआईपी रोकना सही लग सकता है। लेकिन ये कदम फाइनेंशियल गोल्स को नुकसान पहुंचा सकता है। एसआईपी का फायदा यही है कि ये आपको समय पर और बिना भावनाओं के निवेश करने में मदद करता है। भारतीय बाजार ने पिछले 10 सालों में कई बार नई ऊंचाइयां देखी हैं और हर बार वह और ऊपर गया है। अगर लोग हर बार एसआईपी रोकते, तो वे बड़े फायदे से चूक जाते।

उलटी सोच हो सकती है एसआईपी रोकना

एसआईपी को रोकने के फैसले को 'काउंटरइंट्यूटिव' यानी आम समझ के खिलाफ मानते हैं। उनका कहना है कि इतिहास यही बताता है कि जो निवेशक लगातार निवेश करते हैं, वो ज्यादा फायदा कमाते हैं। बार-बार एन्जिट और एंट्री करने से फायदा नहीं होता। वो कहती हैं, एसआईपी का मकसद ये है कि आपकी हर महीने की बचत बाजार में लगती रहे। अगर इसे नियमित और अनुशासित तरीके से किया जाए तो कंपाउंडिंग का फायदा मिलता है। लेकिन कई बार लोग बाजार के मूवमेंट को देखकर एसआईपी बदलने लगते हैं, जो सही नहीं है।

इंस्टाग्राम रील वाली फाइनेंशियल प्लानिंग के साइड इफेक्ट गहरे

सतर्कता | बिजनेस डेस्क

इंस्टाग्राम पर दिखने वाले फाइनेंशियल रूल्स सुनने में आसान और रोचक जरूर हैं

हमेशा पैटर्न यानी ढर्रे पर काम करना बेहद अच्छा होता है चाहे वह वह जिंदगी से जुड़ा हो, काम हो या पैसे से जुड़ा मामला। शायद इसी वजह से कुछ खास नियम हमेशा याद रखने चाहिए। वैसे हम सभी के साथ ऐसा होता है। पहला पैसा से जुड़ा नियम जो तुरंत समझ आया, वह नियम है 72 का नियम। यह बहुत ही सीधा और सरल होता है। आप 72 को उस ब्याज दर से भाग देते हैं जो आपको निवेश पर मिल रही है, और जो संख्या आएगी, वह बताएगी कि आपके पैसे को दोगुना होने में कितने साल लगेंगे। उदाहरण के लिए, अगर आपका निवेश 15 प्रतिशत रिटर्न दे रहा है, तो आपका पैसा लगभग 5 साल में दोगुना हो जाएगा। सीधा है ना? यही कारण है कि यह नियम हमेशा जेहन में रहता है। लेकिन आपको पता है, पिछले 3 से 4 सालों में बहुत सारे ऐसे नियम ऐसे आएं है जो चौकाने वाले हैं। जैसे रील्स, इन्फोग्राफिक्स, न्यूज़लेटर में लेकिन उनमें से एक भी मेरे दिमाग में टिक नहीं पाया जैसे रूल ऑफ 72 था। सच कहें तो बहुत सारे नंबर और फॉर्मूले सामने आ गए हैं।

इंस्टाग्राम फाइनेंस

जानकारों का कहना है कि शायद यही कारण था कि 2016 के आसपास जब इंस्टाग्राम फाइनेंस की शुरुआत हुई, तो वह बहुत तरोताजा और नया लगा। तब लोग ऐसे मनी टिप्स शेयर कर रहे थे जो सरल और अपनाने लायक लगते थे। मुझे आज भी याद है मैंने सोचा था 'ये नियम तो वाकई समझ में आते हैं।' इंटरनेट सस्ता और तेज हो गया था। क्रिएटर्स की रचनात्मकता के कारण फाइनेंस अब आम लोगों तक पहुंचने लगा था। 2019 से 2021 के बीच कुछ फाइनेंस क्रिएटर्स के साथ काम किया और उनके लिए ऐसे स्क्रिप्ट्स भी लिखे जो पर्सनल फाइनेंस को आसान और समझने लायक बनाते थे। कुछ पोस्ट वायरल भी हुए। कुछ टिप्स काफी स्मार्ट लगे। लेकिन फिर धीरे-धीरे मुझे एक बात खटकने लगी। ये सब दिखने में तो बहुत प्रैक्टिकल थे, लेकिन असल जिंदगी में ये ज़्यादातर काम नहीं करते थे।

नियम चले सोशल मीडिया पर, ज़िंदगी में नहीं

सोशल मीडिया पर फाइनेंस की बातें एक संरचना देती हैं। लोगों को लगता है कि एक निश्चित तरीका है, जिससे सब ठीक हो जाएगा। पैसे को लेकर लोग अस्थिरता और चिंता रखते हैं। तो जब कोई कहता है इस एक नियम को फॉलो करो और कंट्रोल आप के हाथ में हो जाएगा, तो यह तुरंत राहत देता है। यह मानसिक रूप से उस स्थिति से जुड़ता है, जिसे साइकोलॉजी में कॉग्निटिव क्लोजर कहते हैं। यह उस मनोवैज्ञानिक झुकाव को दर्शाता है, जिसमें हमारा दिमाग स्पष्ट उत्तर से बेहतर महसूस करता है, भले ही वह उत्तर बहुत सरलीकृत ही क्यों न हो। एक और विचार है नियंत्रण का भ्रम सिर्फ इक नियम फॉलो करने से जैसे किसी विशेष प्रतिशत बचाना या केवल एक तय खर्च श्रेणी के भीतर रहना, लोग सोचते हैं कि वे जीवन पर नियंत्रण कर रहे हैं। यह एहसास, चाहे अस्थायी ही सही, सील अनुभूति देता है। लगता है आप सही दिशा की ओर बढ़ रहे हैं।

बुनियादी सच भूल रहे नियम

आपके खर्च हर महीने साफसुथरे प्रतिशत की तरह व्यवस्थित नहीं होते। आपकी आमदनी एक समय स्थिर हो सकती है और फिर बदल सकती है। परिवार की जिम्मेदारी आ सकती है। किराया बढ़ सकता है। कोई स्वास्थ्य समस्या रुकावट ला सकती है। या कभी-कभी आपको बस ब्रेक की जरूरत हो सकती है। 500 प्रतिदिन बचाएं या 503020 वाला बजट विभाजन जैसे नियम इन बदलावों के लिए जगह नहीं छोड़ते। ये ऐसे बनाए गए हैं मानो जीवन एक सीधी रेखा हो। एक और विचार है जिसे अक्सर सोचा जाता है। मोरल लाइसेंसिंग कभी व्यक्ति एसआईपी ऑटोमेट करने का नियम फॉलो करता है या कुछ हफ्तों तक बजट में रहता है, और फिर वही अच्छा महसूस करना उसे कहीं और ढील देने का बहाना दे देता है। यह मैं अच्छा कर रहा था, अब थोड़ा आराम का चक्र बनाता है। नियम समय-समय पर फिर से शुरू करने वाला जैसे ट्रेडमिल बन जाता है। ऐंकरिंग नामक एक असर होता है जहां कोई संख्या जैसे 30% या 500 एक मानक बन जाती है। यदि आप उस मानक पर नहीं ठहर पाते, तो ऐसा लगता है जैसे आप असफल हो गए हैं। भले आपके फैसले पूरी तरह से उपयुक्त हों, फिर भी आपको लगता है कि आप कुछ गलत कर रहे हैं। यह लगातार तनाव जोड़ता है और व्यक्ति वैध निर्णयों पर ही शक करने लगता है।

क्या मदद कर सकता है

मेरे विचार में ज़्यादातर लोगों को एक और नया नियम नहीं चाहिए। इससे ज़्यादा मदद करती है कुछ आसान सवाल पूछना, जो आपकी ज़िंदगी की असल हालत को ध्यान में रखते हैं। मुझे हर महीने कितना चाहिए ताकि मैं स्थिर महसूस कर सकूं? इसमें किराया, बिल, राशन आदि शामिल हैं। जो बैंक बैलेंस देखते समय चुप्पी में आने वाले घबराहट को रोकते हैं। यह संख्या जानने से आपकी चिंता थोड़ी कम होगी, पूरी समस्या हल नहीं होती लेकिन राहत जरूर मिलती है। मैं अभी किस समस्या का हल ढूंढ़ रहा हूं। कुछ महीने आप बचत करना चाहते हैं, कुछ महीने घर की देखभाल करनी पड़ सकती है, कुछ महीने सिर्फ शांति की जरूरत होती है। आपकी पैसे की आदतें आपके जीवन के पड़ावों के अनुसार बदल सकती हैं और इसमें कोई गलत नहीं है। मैं क्या ऑटोमेट कर सकता हूं, बिना घबराए? चाहे 2,000 की एसआईपी हो या खर्च देखने के लिए हफ्ते में एक रिमाइंडर एक ऐसी चीज चुनें जो एक लय बनाने में मदद करे। जरूरी नहीं कि सब कुछ 500/दिन जैसा सख्त हो यह कोई जिम की मेंबरशिप नहीं है जिसे आप अगले हफ्ते भूल जाएं। सच्चाई यह है कि छोटे और लगातार प्रयास बेहतर काम करते हैं, बजाय पूर्णता और तनाव के। पैसा हो या जीवन, अभी कहानी बाकी है (जैसा एसआरके ने कहा था 'ओम शांतिओम' में) और आप ही तय करेंगे कि अगला दृश्य कैसा होगा।

खबर संक्षेप

आरडीएम स्कूल में हुई राखी मेकिंग प्रतियोगिता

उकलाना। आरडीएम सरस्वती पब्लिक स्कूल में राखी के उपलक्ष्य में राखी मेंकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। स्कूल चेयरमैन कृष्ण चंद्र शर्मा ने कहा कि राखी मेकिंग प्रतियोगिता के माध्यम से भाई बहन का प्रेम भी प्रदर्शित किया है। स्कूल प्राचार्य शालू कटारिया ने कहा रक्षाबंधन को एक पर ही नहीं दिव्य सूत्र है। कक्षा स्तरीय प्रतियोगिता में कक्षा पहली से पांचवीं के विद्यार्थियों ने भाग लिया। सभी विद्यार्थियों ने बहुत ही सुंदद्ध व आकर्षक राखियां बनाई।

सावन जोत के लिए श्रद्धालु हरिद्वार के लिए रवाना

हिसार। शिव शक्ति सेवा समिति के तत्वाधान में हरिद्वार में लगाई जाने वाली सावन जोत व 27वें विशाल भंडारे के लिए अग्रसैन भवन से श्रद्धालुओं से भरी बस रवाना हुई। समिति के प्रधान कृष्ण कालड़ा ने बताया कि समाजसेवी सुरेश चंद्र जैन सिसाये वाले व हितेश अग्रवाल के सानिध्य में मुख्य अतिथि समाजसेवी राजेन्द्र शर्मा ने सभी बस यात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए झंडी दिखाकर रवाना किया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने हर-हर गंगे व नीलकंठ महादेव के जयकारे लगाए।

भाविप ने ट्री गार्ड के साथ किए पौधे वितरित

हांसी। भाविप शाखा हांसी ने विधायक विनोद भयाना के जन्मदिवस पर शहीद भगत सिंह स्कूल में ट्री गार्ड वितरण करके जन्मदिन मनाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी रमेश गुप्ता खरड़िया ने की। सभी सदस्यों ने विनोद भयाना जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर भयाना ने कहा कि जन्म देने वाले से पालने वाला बड़ा होता है। यह चरितार्थ भारत विकास परिषद हांसी ट्री गार्ड वितरण करके पौधों का पालन कर रही है।

सफल होने के लिए गुरु के बताए मार्ग पर चलें

आदमपुर। भादरा रोड पर स्थित कृष्ण प्रणामी स्कूल में स्वामी सदानंद महाराज के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत स्कूल के प्रशासक पंकज मक्कड़ और प्राचार्य धर्मपाल पनिहार द्वारा दीप प्रज्वलन और विद्यार्थियों द्वारा गुरु वन्दना से की गई। माध्यम से गुरुजी के जीवन और उनके कार्यों पर चर्चा की।

एरोन ने बैडमिंटन में जीता गोल्ड मैडल

हिसार। अमृतसर में राज्य स्तरीय काऊंसिल फॉर दि इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट बैडमिंटन प्रतियोगिता में स्थानीय शटल मास्टर बैडमिंटन एकेडमी के खिलाड़ी एरोन ने अंडर-17 सिंगल में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मैडल जीतकर अपना व एकेडमी का नाम रोशन किया है। कोच साहिल थरेजा ने बताया कि एकेडमी के सभी खिलाड़ी समय-समय पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए मैडलों की बौछार करते रहते हैं। अब एरोन ने पंजाब में अपना दमदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मैडल जीतने में कामयाबी पाई। कोच साहिल थरेजा ने बताया कि विजेता खिलाड़ी के शानदार प्रदर्शन के कारण एरोन का नेशनल स्तर पर होने वाली बैडमिंटन प्रतियोगिता के लिये चयन किया गया है।

भगवान किसी को दुख नहीं देते, वे तो सिर्फ सुख बांटते है : भगत संजीव कुमार

■ 'ना कोई जिद्द, ना शोहरत बड़ी चीज है, ना दौलत, हुकूमत बड़ी चीज है, गर जहां बड़ी चीज भी कोई है तो गुरु चरणों की सेवा बड़ी चीज है' पर झूम उठा पंडाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

बाबा बालकनाथ मंदिर में 53वें वार्षिक भंडारे का आयोजन

तरसेम नगर स्थित बाबा बालकनाथ एंव दुर्गा माता मंदिर का 53वां वार्षिक भंडारे का आयोजन किया गया। मंदिर के मुख्य सेवक रामचरण गुप्ता ने बताया कि भगत संजीव कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित वार्षिक भंडारों में हजारों की संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे थे। श्रद्धालुओं की भीड़ और मंदिर की सजावट निराली दिखाई दे रही थी। भगत संजीव कुमार द्वारा सुबह मंदिर में मूर्ति स्नान करवाया गया व झंडे की रस्म अदा की। जब मंदिर में भगत संजीव कुमार द्वारा मंदिर में झंडे चढ़ाए जा रहे थे तो पूरा मंदिर जय बाबे के जयकारों से गूंज उठा। भगत संजीव कुमार ने जैसे ही 'ना कोई जिद्द, ना शोहरत बड़ी चीज है, ना दौलत, हुकूमत बड़ी चीज है, गर जहां बड़ी चीज भी कोई है तो गुरु चरणों की सेवा बड़ी चीज है, गुरु चरणों की सेवा बड़ी चीज है' से सत्संग की शुरूआत की श्रद्धालुओं से भरा पंडाल झूम उठा। श्रद्धालुओं को प्रवचन देते हुए भगत संजीव कुमार ने कहा कि हम कहते हैं कि मैंने ये किया, मैंने वो किया, लेकिन इंसान कुछ नहीं कर सकता, सब कुछ भगवान करवाता है। बाबा जी हमें सुख देते हैं, खुशियां देते हैं। जो व्यक्ति गुरुओं के बताए रास्ते से भटक जाता है, वह दुखों को अपने आप ही बुलावा देता है, भगवान किसी को दुख नहीं देते, वे तो सिर्फसुख बांटते हैं।

दूसरे के बड़ी गाड़ी व बड़ी कोठियां देखकर दुखी होंगे तो यह हमारा कसूर

उन्होंने कहा कि हमें गुरुओं ने जो रास्ता दिखाया, उस पर चलते रहना चाहिए, फिर बाबा जी साथ रहते हैं। सुबह उठकर सबसे पहले भगवान का शुकराना करना चाहिए कि भगवान आप ने मुझे जरूरत से ज्यादा दिया हुआ है। हम किसी दूसरे के बड़ी गाड़ी, बड़ा शोरूम व बड़ी कोठियां देखकर दुखी होंगे तो यह हमारा कसूर है। कोई तरक्की करे, किसी का बच्चा आगे बढ़े तो उसे अंदर के मन से बधाई देनी चाहिए, ऊपर के मन से तो हर कोई देता है।

मन से भगवान की भक्ति करनी चाहिए

भगत संजीव कुमार ने कहा कि हम भगवान यह दोष देते हैं कि फलां का काम बन गया, मेरा काम नहीं बना, हमें अपनी इस सोच को बदलना होगा, शुकराना वाली सोच को अपनाना होगा तो बाबा जी खुश होंगे और उनकी अपार कृपा बरसेगी। जो भगत एक रोटी खाकर शुकराना करता है, बाबा जी उसे बहुत चीजें देते हैं। हमें मन से भगवान की भक्ति करनी चाहिए। सत्संग के बाद मंदिर में बाबा जी का अट्ट भंडारा चलाया गया जिसमें हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश व राजस्थान आदि प्रदेशों से आए काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

आठवीं के बाद थम जाती है बेटियों की पढ़ाई

स्कूल अपग्रेड की मांग पर बेटियों संग परिजन भी सड़कों पर उतरे

स्कूल को 10वीं तक अपग्रेड करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

उपमंडल के गांव ढाणी कुतुबपुर स्थित राजकीय माध्यमिक विद्यालय को अपग्रेड कर दसवीं कक्षा तक करने की मांग को लेकर शनिवार को स्कूल में पढ़ने वाली व स्कूल छोड़ चुकी बेटियों व उनके परिजनों ने स्कूल के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने बताया कि ढाणी कुतुबपुर गांव में मिडल स्कूल होने के चलते आठवी कक्षा के बाद बेटियों की शिक्षा मजबूरीवश बंद हो जाती है। क्योंकि गांव में आठवी कक्षा तक का स्कूल है और आसपास के गांव या क्षेत्र में कोई हाई स्कूल नहीं है। तथा छोटी उम्र में अभिभावक अपनी बेटियों को दूर दराज के क्षेत्रों में अपनी बेटियों को अकेले भेजने से डरते हैं जिसके चलते गांव की अधिकतर लड़कियों की पढ़ाई आठवीं कक्षा के बाद बंद हो जाती है।

ग्रामीणों का कहना था कि लड़के तो किसी तरह आस-पास के गांवों में पढ़ाई करने के लिए जाते हैं। लेकिन लड़कियों को दूर भेजने को लेकर पेरेंट्स सहज नहीं होते। इससे गांव की दर्जनों बेटियों की पढ़ाई अधूरी रह जाती है। बता दें कि शनिवार को स्कूल छोड़ चुकी दर्जनों बच्चियों अभिभावकों ने स्कूल एकत्रित हो प्रदर्शन करते हुए सरकार से गांव के स्कूल को अपग्रेड करने की मांग की ताकि गांव की बेटियों का आगे पढ़ने का सपना पूरा हो सके।

हांसी। गांव ढाणी कुतुबपुर में स्कूल के बाहर प्रदर्शन करती बेटियां व उनके अभिभावक। फोटो : हरिभूमि

स्कूल का परीक्षा परिणाम रहता है 100 प्रतिशत

गांव के सरपंच अजय पंवार ने बताया कि लगभग दो साल पहले ग्राम पंचायत ने रेजुलेशन पास कर स्कूल अपग्रेड की मांग तत्कालीन शिक्षा मंत्री कृष्ण लाल गुर्जर तक पहुंचाई थी लेकिन आज तक शिक्षा मंत्री या विभाग द्वारा उस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। गांव की सुनीता, जो इसी स्कूल से पढ़कर निकली हैं और अब यहीं ड्राइंग टीचर हैं, ने बताया कि पिछले कई सालों से यह स्कूल सिर्फ आठवीं कक्षा तक ही सीमित है। जबकि हमारे स्कूल का रिजल्ट हर बार 100 प्रतिशत रहता है, फिर भी इसे अपग्रेड नहीं किया गया। यदि इसे हाई स्कूल बना दिया जाए, तो हर साल गांव की दर्जनों बच्चियां आगे की पढ़ाई कर पाएंगी। गांव के युवा सामाजिक कार्यकर्ता राहुल शर्मा ने बताया कि वे गांव के स्कूल को अपग्रेड करने की मांग को लेकर सीएम, शिक्षा मंत्री और पीएमओ तक ट्वीट कर उठा चुके हैं। लेकिन अभी तक उनके द्वारा किए गए ट्वीट का कहीं से कोई जवाब नहीं मिला है।

युवाओं को वायु सेना में करियर के विकल्पों से करवाया रूबरू

■ कॅरिअर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

नंबर वन हरियाणा एयर स्क्वाड्रन एनसीसी, रोहतक ग्रुप निदेशालय के द्वारा लुवास ऑडिटोरियम में आयोजित कॅरिअर परामर्श एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ ने भारतीय वायु सेना के सहयोग से कॅरिअर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम वायु सेना की टीम दिशा की ओर से प्रस्तुत किया गया। इसका उद्देश्य युवाओं को भारतीय वायु सेना में उपलब्ध कॅरिअर के विकल्पों से अवगत कराना था। महाविद्यालय परिसर में वायु सेना की इंडक्शन पब्लिसिटी और प्रदर्शनी वाहन ने अपने कॅरिअर जागरूकता अभियान की शुरुआत की। यह पहल विशेष रूप से एनसीसी कैडेटों, वर्तमान छात्रों और पूर्व छात्रों के लिए तैयार की गई थी। इसमें कुल 950 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन एयर एनसीसी के कमान अधिकारी ग्रुप कैप्टन सुब्रमण्यम श्रीनिवासन, वायु सेना मेडल ने किया। भारतीय वायु सेना की ओर से विंग कमांडर धीरजपुरी ने अपनी बात रखी।

हिसार। कार्यक्रम में उपस्थित एयर एनसीसी के कमान अधिकारी ग्रुप कैप्टन सुब्रमण्यम श्रीनिवासन व अन्य।

म्हारी संस्कृति म्हारा स्वाभिमान ने मनाया सावन महोत्सव

हिसार। म्हारी संस्कृति म्हारा स्वाभिमान संगठन के बैनर तले संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हनुमान कौशिक के निर्देशानुसार संगठन महासचिव सिंगर सुदेश हिसार के नेतृत्व में सावन महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अनेक गांवों के सरपंचों, गणमान्य व्यक्तियों व महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान हरियाणवी संस्कृति से ओत प्रोत नृत्य व गीतों की प्रस्तुतियां दी गई। इस अवसर पर फतेहाबाद जिला प्रमुख श्रवण पाबड़ा, हिसार जिला प्रमुख मीना शर्मा, नीलम चौधरी, अनिता चौधरी, रमेश रॉक्सी, राजेश फुलभाटी, मांगेराम,, नफे रोहिल्ला, संजय गोरखपुर आदि रहे।

केवल जेजेपी ही कर सकती एससी समाज का भला : रमेश खटक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

जजपा की एससी सैल की हिसार जिले की बैठक अर्बन एस्टेट में हुई। बैठक की अध्यक्षता तीन बार विधायक रहे एवं जेजेपी के एससी सैल प्रदेश प्रभारी रमेश खटक ने की। मुख्य अतिथि के रूप में पांच बार के एमएलए रहे पूर्व मंत्री स्व. भागीराम के पुत्र एडवोकेट सुरेंद्र भागीराम प्रदेशाध्यक्ष जजपा एससी सैल रहे। एससी समाज के साथियों को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक रमेश खटक ने कहा कि चौ. देवीलाल परिवार हमेशा से एससी वर्ग का हितैषी रहा है। चौ. देवीलाल ने एससी समाज के लोगों को लोकसभा और विधानसभा तक भेजा है। जजपा राजनीतिक दल बाद में है पहले एक परिवार है। यहां सबको साथ लेकर आगे बढ़ाने का काम किया जाता है। एससी सैल के प्रदेशाध्यक्ष सुरेंद्र भागीराम ने कहा कि अब समय आ गया है कि हम सब मिलकर जन नायक जनता पार्टी के साथ जुड़े और समजा इकट्ठा होकर घर-घर जाए और जजपा का प्रचार करें।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर जिला प्रधान अमित बूरा, जिला प्रभारी अनिल बालाकिया, सत्यवान बिछपड़ी, पार्षद कमल कायत, श्रवण बागड़ी, कृष्ण दहिया, सतबीर मुंगेरिया, ओमप्रकाश गहलोत, अमित बाजेकां, रामफल धानक, विजेंद्र धानक, मुकेश डुलगच, उमेद सिंह खटीक,पार्षद सुनील माजरा आदि रहे।

आर्यनगर स्कूल में युवा संसद कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

नजदीकी गांव आर्यनगर स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में ब्लॉक स्तरीय 'युवा संसद कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक मूल्यों, नेतृत्व क्षमता और संवाद कौशल को प्रोत्साहित करना था।

कार्यक्रम में निर्णायक मंडल के रूप में डॉ. अजय लोहान, डॉ. सत्यदेव सिहाग एवं अनीता मौजूद रहीं। विद्यार्थियों के विचारों और प्रस्तुति की सराहना करते हुए उन्हें लोकतंत्र की सशक्त नींव बताया। इस अवसर पर स्कूल प्रबंधन समिति के प्रधान संतलाल भी मौजूद रहे।

विद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनिल यादव ने सभी अतिथियों, निर्णायकों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास एवं देशभक्ति की भावना का विकास होता है।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में राजनीति शास्त्र की प्रवक्ता सुचेता कौशिक का विशेष योगदान रहा। उनके मार्गदर्शन एवं सक्रिय सहयोग से कार्यक्रम की प्रत्येक गतिविधि सुनियोजित रूप से संपन्न हुई। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय परिवार का समर्पण और सहभागिता सराहनीय रही।

हिसार। युवा संसद कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी व अध्यापक।

स्वावलंबन के लिए शुरू किया निःशुल्क ग्राफिक डिजाइन कोर्स

हिसार। स्वदेशी जागरण मंच ने स्वदेशी व स्वावलंबन की अलख जगाते हुए हिसार के राजकीय बहुतकनीकी संस्थान के सहयोग से निशुल्क ग्राफिक डिजाइन कोर्स शुरू किया है। स्वरोजगार को बढ़ावा देने के संकल्प के साथ इस निशुल्क ग्राफिक डिजाइन कोर्स का शुभारंभ ऋषि नगर स्थित आई केयर कंप्यूटर सेंटर में किया गया। इस अवसर पर आरएसएस के विभाग संघचालक पवन जिंदल, राजकीय बहुतकनीकी संस्थान के प्रिंसिपल डॉ. सुनील गाबा, स्वावलंबन केंद्र के प्रमुख डॉ. अजीत, स्वदेशी जागरण मंच के प्रांतीय स्वदेशी मेला प्रमुख अनिल गोयल व आई केयर इंस्टीट्यूट के स्वामी भारत त्रिखा सहित काफी सदस्य उपस्थित रहे। अनिल गोयल ने बताया कि डीटीपी के दो कोर्स में चलने वाले प्रति कोर्स में 25-25 विद्यार्थी होंगे। 50 प्रतिशत सीट एससी के लिए होंगी। हर विद्यार्थी को छह महीनों में 500 घंटे का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

पुलिस ने ग्रामीणों को किया नशे, ट्रैफिक नियमों व साइबर क्राइम के बारे में जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौंद

एसएचओ नारनौंद सब इंस्पेक्टर बलवान सिंह ने नारनौंद के मेहलन पाना का दौरा कर लोगों को नशे, साइबर क्राइम व ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरुक किया। उन्होंने नशा न करने के लिए लोगों को शपथ भी दिलाई।

एसएचओ ने कहा कि पुलिस और आमजन अगर तालमेल के साथ कार्य करे तो अपराधो पर नियंत्रण पाया जा सकता है। अपराधो में कमी आयेगी। उन्होंने कहा कि गांव में आपसी भाईचारा वा सौहार्द बना कर रखें, हम सुरक्षित रहना चाहते हैं तो हमे ट्रैफिक नियमों की पालना भी करनी होगी। हम सब यातायात नियमों की पालना करते हुए खुद को सुरक्षित रखने के साथ-साथ दूसरों को भी सुरक्षित रख सकते है। वाहन चलाते समय नियमो का पालन कर सड़क दुर्घटना से बचा जा सकता है। उन्होंने ने साइबर क्राइम के बारे में जागरुक करते हुए कहा कि साइबर ठगी के मामले तेजी से बढ़ते जा रहे है। पुलिस समय समय पर साइबर अपराध से जुड़ी घटनाओं को लेकर नागरिको को सतर्क करती रहती है। स्वयं को साइबर अपराध के प्रति जागरूक कर नागरिक साइबर ठगी से बच सकते है। ऑनलाइन ठगी के मामले लगातार बढ़ते जा रहे है। ऐप्स और बैंकिंग सिस्टम में सेंधमारी के साथ नागरिकों को भिन्न भिन्न प्रकार के लालच देकर कर साइबर अपराधी धोखाधड़ी कर रहे है। इस तरह नागरिकों को ठगी से बचाने के लिए सरकार ने एक हेल्प लाइन नंबर 1930 भी जारी किया गया है।

नारनौंद। ग्रामीणों को जागरुक करते हुए थाना प्रभारी बलवान सिंह।

मोक्ष वृद्धाश्रम में श्रीरामकथा में शिव-पार्वती की झांकी देखकर नतमस्तक हो गए बुजुर्ग

श्रीरामकथा मनुष्य को भक्ति का महत्व समझाती है: साध्वी निष्ठानंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

मोक्ष वृद्धाश्रम में संगीतमय श्रीरामकथा में बुजुर्गों ने बढ़-चढक़र हिस्सा लिया। इस दौरान प्रभु श्रीराम के प्रति आस्था व निष्ठा भी देखने को मिली। मोक्ष वृद्धाश्रम के बुजुर्गों ने अपने इष्ट की आराधना करते हुए पूरी तन्मयता से श्रीरामकथा का श्रवण किया। तपोभूमि परमहंस योग आश्रम की बालयोगिनी साध्वी निष्ठानंद सरस्वती जी ने श्रीरामकथा से जुड़े विभिन्न प्रसंग साझा करते हुए कहा कि श्रीरामकथा मनुष्य को मर्यादा, धर्म, प्रेम, त्याग व भक्ति का महत्व समझाती है। उन्होंने कहा कि श्रीरामकथा श्रवण करने का अवसर सौभाग्यशाली को ही मिलता है।

श्रीरामकथा के दूसरे दिन साध्वी निष्ठानंद सरस्वती जी ने भगवान शिव-पार्वती के विवाह प्रसंग से साक्षात्कार करवाया। इस दौरान शिव-पार्वती की झांकी देखकर बुजुर्ग नतमस्तक हो गए। भगवान शिव की महिमा सुनकर बहुत से बुजुर्ग झूमने व नाचने लगे। श्रीरामकथा में पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. कमल गुप्ता की पत्नी डॉ. प्रतिमा गुप्ता, अग्रोहा विकास ट्रस्ट महिला समिति की प्रेसिडेंट रम्मी गुप्ता, समाजसेवी इंदु बिंदल, एडवोकेट ओशीन सैनी व मोक्ष वृद्धाश्रम की संरक्षक माता पंकज संधीर ने दीप प्रज्वलन की परम्परा का निर्वहन किया। इस दौरान सभी अतिथियों को स्मृति चिह्न प्रदान करके सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर सोनिया गुप्ता, सुनीता सिंगल, निशा जैन, अनीता शर्मा, डॉ. सविता सिंगल, नरेश महता, घनश्याम दास मिड्ढा, पूनम महता, संगीता सेठी, ऊषा बंसल, सुनीता सातरोडिया, सरोज गर्ग, उर्मिला गर्ग, डॉ. वेद पूनिया, सरोज बेनीवाल, कुसुम सिंगल, संतोष गोयल, मदन तायल, इंदु बिंदल व सोनिया गुप्ता सहित काफी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बालयोगिनी साध्वी निष्ठानंद सरस्वती जी ने श्रीरामकथा के दौरान सकारात्मक दृष्टि अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जैसी दृष्टि वैसी सृष्टि कहावत से सभी परिचित हैं। इसलिए जैसा नजरिया होगा वैसा नजारा दिखाई देगा।

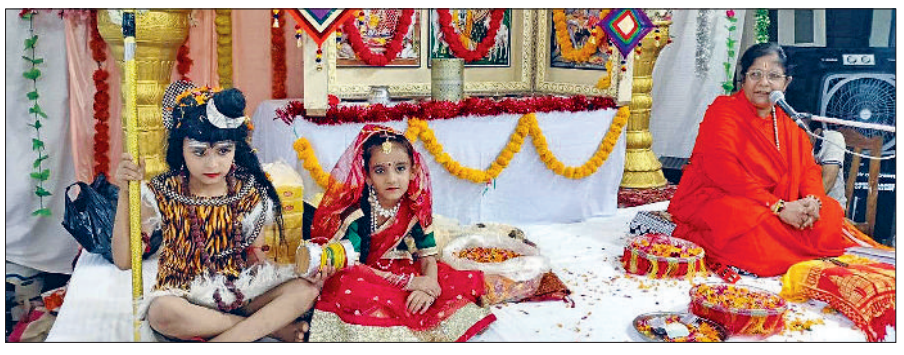

हिसार। मोक्ष वृद्धाश्रम में श्रीरामकथा में शिव-पार्वती की झांकी।

एसडी स्पोर्ट्स स्कूल ने लॉन्ग जंप, जैवलिन थ्रो और डिस्कस थ्रो में जीता गोल्ड

हांसी। उमरा स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित ब्लॉक स्तरीय विद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता एसडी स्पोर्ट्स स्कूल ढाणा खुर्द के लड़कियों और लड़कों ने कबड्डी, हॉकी और एथलेटिक्स में 150 से अधिक मेडल जीतकर अपने स्कूल, माता पिता और स्कूल का नाम रोशन किया। स्कूल प्रधानाचार्य कुलदीप यादव ने बताया कि शुक्रवार को समापन दिवस पर अंडर 14, 17 और 19 आयु वर्ग के बच्चों के हॉकी ट्रायल हुए, जिसमें एसडी स्पोर्ट्स स्कूल ढाणा खुर्द के अंडर 14 आयु वर्ग में -4, अंडर 17 में 7 और अंडर 19 की पूरी टीम का डिस्ट्रिक्ट के लिए चयन हुआ। वहीं एथलीट में हैप्पी ने लॉन्ग जंप, डिस्कस थ्रो में गोल्ड मेडल, रोहित ने जैवलिन थ्रो में गोल्ड मेडल और दिनेश ने सिल्वर मेडल, बिन्दु ने ट्रिपल जंप में सिल्वर और गीतेश ने ब्रॉन्ज मेडल, शॉट पुट में धीरज और वंश ने ब्रॉन्ज मेडल, दौड़ में शिवम, बिंदु, हैप्पी व गीतेश ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

सूचना

मैं, सन्त लाल पुत्र श्री सोराज पुत्र श्री हरभज निवासी गांव तलवन्डी रूक्का तहसील व जिला हिसार बयान करता हूं कि मेरी पुत्री करिशमा जोकि अविवाहित है और मेरे व मेरे परिवार के कहने सुनने से बाहर है इसलिए मैं उसे अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं भविष्य में जो भी कोई मेरी पुत्री करिशमा से किसी तरह का व्यवहार लेन-देन करेगा तो वह स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

खबर संक्षेप

अवैध हथियार सहित एक काबू, देशी कट्टा बरामद

नारनौंद। स्पेशल स्टाफ पुलिस टीम ने गढ़ी निवासी विकास उर्फ विक्की को अवैध हथियार देशी कट्टा सहित गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उसको कोर्ट में पेश करके दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। स्पेशल स्टाफ में तैनात एएसआई कर्मबीर ने बताया कि स्पेशल स्टाफ पुलिस ने गश्त के दौरान बालाजी ढाबा गांव गढ़ी नाकाबंदी करके एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर तलाशी ली तो उसके कब्जे से एक अवैध हथियार देसी कट्टा बरामद हुआ। उसे गिरफ्तार करके अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

चोरी की मोटरसाइकिल के साथ एक गिरफ्तार

हांसी। पुलिस चौकी भाटला ने चोरी की मोटरसाइकिल के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान कुलाना निवासी नरेश के रूप में हुई है। पुलिस चौकी भाटला प्रभारी एएसआई विनोद ने बताया कि पकड़े गए आरोपी ने 20 जुलाई की रात को गांव कुलाना में प्रवीन के घेर में खड़ी मोटरसाइकिल चोरी कर लिया था। भाटला पुलिस ने शिकायत पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को चुराई गई मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार कर लिया।

सूचना प्रौद्योगिकी पर सेमिनार का आयोजन

आदमपुर। गुरु द्रोणाचार्य इंटरनेशनल स्कूल में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार का उद्देश्य छात्रों को तकनीकी शिक्षा से जोड़ना, डिजिटल जागरुकता बढ़ाना तथा उन्हें भविष्य की तकनीकी चुनौतियों के लिए तैयार करना था। सेमिनार की मुख्य वक्ता मोनिका ने इंटरनेट सुरक्षा, कोडिंग की मूल बातें, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर अपराध से सुरक्षा, और डिजिटल टूल्स के प्रभावी उपयोग पर विस्तृत जानकारी दी।

रोटरी सैंट्रल हिसार क्लब ने किया पौधरोपण

हिसार। रोटरी सैंट्रल द्वारा आईडीडीएवी पब्लिक स्कूल डाबड़ा रोड के प्रांगण में 165 पौधे लगाकर विशाल पौधारोपण अभियान चलाया गया। इन पौधों में विभिन्न प्रकार के फलदार, छायादार एवं औषधीय शामिल थे। इस पौधारोपण अभियान में स्कूल के बच्चों की पूरी सहभागिता रही।

खेल महाकुंभ में अभिमन्यु ने जीता सोना

आदमपुर। पंचकूला के सेक्टर 3 के ताऊ देवी लाल खेल स्टेडियम में हुई खेल महाकुंभ स्टेट चैंपियनशिप में पीपासर स्कूल सदलपुर के छात्र अभिमन्यु ने जिले हिसार का प्रतिनिधित्व करते हुए गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया है। स्कूल के खेल प्रशिक्षक महेंद्र शीला ने बताया कि अभिमन्यु ने रिकॉर्ड समय में 5 किलोमीटर वाक रेस पूरी करते हुए गोल्ड मेडल प्राप्त किया है।

शिक्षा को फिर से संस्कारों और संवेदनाओं की धारा में बहाना होगा : प्रो. बिश्नोई

खास बातें

- गुरु और शिष्य के संबंधों को औपचारिकता से आध्यात्मिकता की ओर मोड़ें
- भारतीय शिक्षण मंडल एवं गुजवि के संयुक्त तत्वाधान में हुआ श्री व्यास पूजा कार्यक्रम

हिसार। श्री व्यास पूजा कार्यक्रम का शुभारंभ करते कुलपति प्रो. नरसीराम बिश्नोई।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसीराम बिश्नोई ने कहा है कि हम गुरू और शिष्य के संबंधों को औपचारिकता से आध्यात्मिकता की ओर मोड़े। शिक्षा को फिर से संस्कारों और संवेदनाओं की धारा में बहाना होगा जिससे गुरू और शिष्य का संबंध 'प्रेरणा और साधना' का हो जाए।

प्रो. नरसीराम बिश्नोई भारतीय शिक्षण मंडल एवं गुजवि के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित श्री व्यास पूजा कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय संयुक्त महामंत्री सुनील शर्मा कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के चौ. रणबीर सिंह सभागार में हुए इस कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय कार्य विभाग प्रमुख एवं हरियाणा प्रांत अध्यक्ष डा. जितेंद्र भारद्वाज ने की।

प्रो. नरसीराम बिश्नोई ने कहा कि आज हम वेद व्यास जी का पूजन कर रहे हैं। यह अवसर केवल अनुष्ठान का नहीं है, बल्कि आत्म अवलोकन का भी है।

हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि हम अपने आचरण, शिक्षा पद्धति और संवाद के माध्यम से गुरू के आदर्श को जिएंगे। जिससे हमारे विद्यार्थी भी केवल शिष्य नहीं बल्कि संस्कृति के वाहक बनकर उभरें।

भारत भूमि गुरूओं और महर्षि योगियों की भूमि : शर्मा

मुख्यवक्ता सुनील शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि भारत भूमि गुरूओं और महर्षि योगियों की भूमि है। वेद व्यास जी की पुण्य जन्मतिथी को गुरु पूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है। वेद व्यास आदि गुरू हुए हैं। उन्होंने पूरे ज्ञान को चार वेदों में संग्रहित किया। उन्होंने कहा कि गुरू हमेशा बड़ा होता है। सही मायने में गुरू की महिमा का वर्णन करना आसान नहीं है। उन्होंने चाणक्य को आदर्श गुरू और एकलव्य को आदर्श शिष्य बताया।

यह रहे उपस्थित

परिचय एवं स्वागत विजन इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ एजुकेशन, धांसू की डा. सीमा सैनी तथा कल्याण मंत्र का उच्चारण भारतीय शिक्षण मंडल के हरियाणा प्रांतीय प्रांत प्रचार प्रमुख प्रो. मनोज दयाल ने किया।

इस अवसर पर हिसार के विभाग संघ संचालक पवन जिंदल, जिला संघ संचालक भूपेंद्र, जिला सह संघ संचालक मोहित, सेवा भारती हरियाणा के प्रांत सहसंयोजक कमल सर्राफ, प्रांत कार्यवाहक हरियाणा एवं गुजविप्रौवि के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट निदेशक डा. प्रताप मलिक, प्राध्यापक कार्य विभाग प्रमुख हिसार डा. मोहित आनंद वर्मा, जिला कार्यवाहक सतीश, गुजविप्रौवि के डा. तेजपाल व रामनिवास भी उपस्थित रहे।

दो दिन से प्रशासन व मंत्री थे जनता के निशाने पर

आलोचना झेलने के बाद निगम ने किए शहर से पानी निकासी के प्रबंध

दो दिन पूर्व हुई बरसात के दौरान शहर के विभिन्न क्षेत्रों में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। नगर निगम की टीम जल निकासी का प्रबंध करते हुए। फोटो : हरिभूमि

बारिश के कारण शहर में हुए जलभराव पर जनता की आलोचना झेलने के बाद अब नगर निगम पानी निकासी के लिए सक्रिय हो गया है। दो दिन पूर्व हुई बरसात के दौरान शहर के विभिन्न क्षेत्रों में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए थे, जिस पर जिला प्रशासन, निगम प्रशासन व जनस्वास्थ्य मंत्री जनता के निशाने पर थे। सोशल मीडिया पर लगातार इनकी आलोचना हो रही थी वहीं लोग सार्वजनिक रूप से भी विरोध के स्वर बोलने लगे थे।

आलोचना के दो दिन बाद नगर निगम प्रशासन शनिवार को जागा और अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ शहर से पानी निकासी के प्रबंध जांचे।

निगम आयुक्त नीरज ने जल्द से जल्द पानी निकासी का समाधान करने को कहा। इसके लिए नगर निगम की टेक्निकल टीम शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पानी के निकासी के पुख्ता प्रबंध किए।

पानी निकासी में लगे अधिकारी व कर्मचारी : डूडी

कार्यकारी अभियंता जयवीर डूडी ने बताया कि बरसात के कारण कुछ क्षेत्रों में जल भराव हो गया था जिसकी निकासी लेकर अधिकारी और कर्मचारी लगे हुए है। इसके साथ ही सफाई शाखा को आदेशित किया गया है कि पूरे शहर में जितनी भी जीटी लगी हुई है उनकी सफाई करें। उन्होंने बताया कि जब तक पूरे शहर से पानी की निकासी नहीं हो जाती तब तक नगर निगम और जन स्वास्थ्य विभाग के एसटीपी लगातार चलते रहेंगे जिसके पूरे प्रबंध कर लिए गए हैं।

जल्द किया जाए समाधान : नीरज

निगम आयुक्त नीरज ने अधिकारियों को शहर में हुए जल भराव की निकासी जल्द से जल्द करवाने के लिए आदेशित किया हुआ है। शहर के इन स्थानों पर निकासी का कार्य नगर निगम द्वारा किया जा रहा है। जिंदल चौक, सेक्टर 9/11, अर्बन स्टेट, जिंदल फ्लाईओवर के पास, इंडस्ट्रियल एरिया आदि क्षेत्रो से पानी की निकासी करवाई गई। इस दौरान अधिकारियों ने एसटीपी पब्लिक हेल्थ का भी निरीक्षण किया।

शहर से पानी की निकासी के कार्य निरंतर जारी है।

यदुवंशी शिक्षा निकेतन में किया नन्हीं प्रतिभाओं का अभिनंदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

हांसी। नन्हे मुन्ने बच्चों को अभिभावकों के साथ सम्मानित करते स्कूल प्राचार्य सुनील कुमार व अन्य। फोटो :हरिभूमि

यदुवंशी शिक्षा निकेतन में शनिवार को नर्सरी से दूसरी कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह प्रेरणादायक व अनूठी पहल यदुवंशी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक एवं चेयरमैन राव बहादुर सिंह द्वारा आरंभ की गई, जिसका उद्देश्य बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाना और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना है। इस आयोजन में विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को सम्मान पत्र, प्रतीक चिन्ह एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया। बच्चों के साथ-साथ उनके अभिभावकों को भी आमंत्रित किया गया, जिससे बच्चों का मनोबल और अधिक सुदृढ़ हुआ। इस अवसर पर यदुवंशी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक एवं चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने घोषणा की कि यह सम्मान समारोह हर सप्ताह आयोजित किया जाएगा जिसमें उन विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा जो अपने व्यवहार, प्रदर्शन ,भागीदारी या किसी विशेष क्षेत्र में उत्कृष्टता प्रदर्शित करेंगे।

भवन निर्माण कामगार यूनियन ने की आंदोलन की घोषणा

उकलाना। भवन निर्माण कामगार यूनियन ने सरकार से अपनी मांग मनवाने के लिए आंदोलन की घोषणा कर दी है। यूनियन के ब्लॉक कमेटियां 3 अगस्त से 9 अगस्त तक गांव गांव में जाकर बैठक करेंगी और 12 अगस्त को ब्लॉक उकलाना तहसील पर प्रदर्शन व तहसीलदार ओर उकलाना के विधायक को ज्ञापन दिया जाएगा। इसके अलावा 26 अगस्त को जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया जाएगा व 14 सितंबर को श्रम मंत्री का आवास को घेरेंगे। यह जानकारी यूनियन के राज्याध्यक्ष मनोज कुमार ने ब्लॉक कमेटी की बैठक में दी। इसकी अध्यक्षता ब्लॉक प्रधान राधेश्याम ने की।

सतीश लोहान बने सिसाय बिजली कर्मचारी यूनियन के प्रधान, प्रमोद बने उपप्रधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौंद

क्षेत्र के बिजली निगम कार्यालय सिसाय में एचएसईबी यूनियन वर्कर यूनियनकी एक मीटिंग का आयोजन किया गया। इस मीटिंग मे यूनियन के पदाधिकारियों का चुनाव सर्वसमिति से किया गया। जिसमें सतीश लोहान को प्रधान व प्रमोद कुमार को उपप्रधान चुना गया।

नवनिर्वाचित उपप्रधान प्रमोद कुमार ने बताया कि यूनियन के हेड आफिस से भिवानी के प्रधान विकास सुनहरा को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया था और शमशेर सिंह, शिवेंद्र सिंह व राजेन्द्र कोठारिया की अध्यक्षता में सिसाय बिजली घर की कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से कर लिया गया। इसमें सतीश लोहान को प्रधान, प्रमोद कुमार को उपप्रधान, सुमंत सिंह को सचिव, पुनीत कुमार को सहसचिवव मंजीत यादव को कैशियर तथा आशीष लोहान को संगठनकर्ता चुना गया।

नवनिर्वाचित प्रधान सतीश लोहान ने कहा कि कर्मचारियों की मांगों को प्रमुखता से उठाकर उच्च अधिकारियों से मिलकर उनका समाधान करवाना उनकी प्राथमिकता रहेगी और कर्मचारियों की जो भी समस्याएं हैं। उनके हितों की रक्षा के लिए वो हमेशा अग्रणी रहेंगे और कर्मचारियों की आवाज को किया जाएगा।

भाजपा की दमनकारी नीतियों से त्रस्त है प्रदेश का प्रत्येक वर्ग : सुमन शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

सुमन शर्मा, प्रदेश प्रवक्ता।

हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता पंडित सुमन शर्मा ने कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार तीसरी बार बनने से भाजपा अति अभिमान से ग्रसित हो गई है। उन्होंने भाजपा सरकार पर आरोप लगाया कि प्रदेश में गरीबों के बीपीएल कार्डों का भारी संख्या में काटा जाना, बिजली की दरों में बढ़ोतरी, खाद के लिए किसानों की लंबी कतारें, स्कूल कॉलेज में दाखिले के लिए बच्चों को सीटे न मिल पाना, शहरी क्षेत्र के साथ-साथ ग्रामीण खेतों में भी जल भराव की समस्या, प्रदेश में भय और गुंडागर्दी का माहौल, सरकारी दफ्तरों में भ्रष्टाचार का बोलबाला, फैमिली आईडी के नाम पर दफ्तर में धक्के खाते लोग क्या यही सभी वायदे किए थे भाजपा ने अपने चुनावी घोषणापत्र में। पंडित सुमन शर्मा ने कहा कि यदि भाजपा इस गलतफहमी में है कि हरियाणा प्रदेश में सदैव उन्हीं की सरकार रहेगी तो उन्हें इस बात का पता होना चाहिए कि लोकतंत्र में जब जनता आपको सत्ता के शीर्ष पद पर बिठा सकती है तो वही जनता उस पद से आपको उतार भी सकती है।

उन्होंने सरकार से मांग की है कि सरकार झूठा दिखावा छोड़कर धरातल पर आम जनमानस की समस्या को समझकर उनका समाधान करें।

विद्यार्थियों को विज्ञान की उपयोगिता के बारे में किया जागरूक

हिसार। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सुलखनी में शनिवार को विद्यार्थियों को विज्ञान की उपयोगिता के बारे में जागरूक बनाने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान के प्रो. डॉक्टर विकास वर्मा ने विद्यार्थियों को विज्ञान का दैनिक जीवन में उपयोग व व्यावसायिक महत्व तथा उसके क्षेत्र के बारे में मार्गदर्शन किया। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में सकारात्मक विचारों के साथ हमेशा नया सोचने व उसे जीवन में लागू करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य राजकुमार श्योराण ने विद्यार्थियों को विज्ञान की उपयोगिता बताते हुए उन्हें नए अन्वेषण के लिए प्रेरित किया।

विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण को विकसित करने का मूल साधन है गणित

- श्री काली देवी विद्या मंदिर में किया गणित प्रदर्शनी का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

हांसी। गणित प्रदर्शनी का अवलोकन करते प्राध्यापक डॉ रमन नागपाल उनके साथ हैं स्कूल प्राचार्या गीता मेहता।

श्री काली देवी विद्या मंदिर में शनिवार को विद्यालय ऑडिटोरियम में गणित प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में राजकीय महाविद्यालय, बवानी खेड़ा के गणित प्राध्यापक डॉ. रमन नागपाल ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करते हुए दीप प्रज्वलन कर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

उन्होंने विद्यार्थियों के कार्यों की सराहना की और कहा कि गणित तार्किक सोच, निर्णय क्षमता और विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण को विकसित करने का मूल साधन है। इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों को विषय से जोड़ती हैं और उसे जीवनोपयोगी बनाती हैं।

प्रदर्शनी में कक्षा छठी से बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने अत्यंत रचनात्मकता और नवोन्मेष के साथ सरल भाषा और सृजनात्मक मॉडल्स के माध्यम से प्रस्तुत किया। जिनमें प्राइम नंबर्स, इंटिजर गेम, टाइप्स ऑफ़ एंगल्स, एक्सटीरियर एंगल प्रॉपर्टी, पाइथागोरस थ्योरम, मैथ्स सिटी, आइसोसेलीज़ ट्रायंगल थ्योरम, ईवन ऑड एंड प्राइम नंबर्स, गेम ज़ोन तथा एप्लीकेशन ऑफ ट्रिग्नोमेट्री प्रमुख थे

विद्यालय प्राचार्या गीता मेहता ने कहा कि जब बच्चे अपने ज्ञान को प्रयोगात्मक रूप में प्रस्तुत करते हैं, तब शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य साकार होता है।

गणित प्रदर्शनी जैसे आयोजन न केवल उनके बौद्धिक विकास में सहायक होते हैं, बल्कि उनमें आत्मविश्वास व नेतृत्व क्षमता से भी भर देते हैं।

हिसार। कार्यक्रम में प्रस्तुति देते अध्यापिकाएं। फोटो :हरिभूमि

डीपीएस में हुआ कहानियों का जादुई सत्र

हिसार। दिल्ली पब्लिक स्कूल में शिक्षकों द्वारा एक दिलचस्प और प्रेरणादायक स्टोरीटेलिंग सत्र का आयोजन किया गया। शिक्षकों ने अपनी भावनात्मक अभिव्यक्ति, उत्साह और अभिनय के जरिए बच्चों को कल्पनाओं की दुनिया में ले जाकर सीखने की प्रक्रिया को आनंददायक बना दिया। बच्चों ने बड़ी रुचि और ध्यान से कहानियां सुनीं और उनके भीतर छिपे जीवन-मूल्यों और संदेशों को समझा। इस सत्र की खास प्रस्तुति रही जंगल थीम पर आधारित कहानी, जिसमें यह संदेश छुपा था कि हमें एक-दूसरे की मदद करनी चाहिए, विनम्रता बनाए रखनी चाहिए और अपने आसपास के सभी लोगों के प्रति आभार जताना चाहिए। प्रधानाचार्या मंजु सुधाकर ने इस आयोजन को एक सीख से भरपूर और आनंददायक अनुभव बताया। उन्होंने शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की। प्राइमरी विंग कोऑर्डिनेटर रश्मि सिंह ने भी इस सत्र की प्रशंसा की।

गुजवि में छात्र इंडक्शन कार्यक्रम कल से

हिसार। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालयमें नवप्रवेशित बीटेक प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन प्रोग्राम 2025 का आयोजन चार अगस्त से होगा।

यह कार्यक्रम तीन सप्ताह तक चलेगा। विश्वविद्यालय के प्रो. अंजन कुमार बराल ने बताया कि यह इंडक्शन प्रोग्राम विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों, शैक्षणिक ढांचे एवं उपलब्ध संसाधनों से परिचित कराने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य यह है कि छात्र कैंपस के वातावरण में आसानी से ढल सकें और यहां की सुविधाओं का अधिकतम उपयोग कर सकें।

विभिन्न राज्यों की 53 स्नातक टीमों में हकृवि की टीम रही दूसरे स्थान पर

एचएयू के छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर पर लहराया परचम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। सेबी राष्ट्रीय वित्तीय साक्षरता क्विज-2025 के विजेता विद्यार्थी।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने सेबी राष्ट्रीय वित्तीय साक्षरता क्विज-2025 उत्तरी क्षेत्रीय प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त करके राष्ट्रीय स्तर पर परचम लहराया है।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने विद्यार्थियों द्वारा अर्जित की गई इस उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय ने शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करके राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन किया है। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि छात्र प्रिंस बूरा और विवेक भोंसले ने एमिटी विश्वविद्यालय गुरुग्राम में आयोजित राष्ट्रीय वित्तीय साक्षरता क्विज 2025 की उतरी क्षेत्रीय प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त करके विश्वविद्यालय को गौरवांवित करने का काम किया है। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में चंडीगढ़, दिल्ली, हरियाणा, जम्मू- कश्मीर, पंजाब, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सहित राज्यों के प्रतिष्ठित संस्थानों से 53 स्नातक टीमों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता का समापन अत्यंत रोमांचक रहा, जहां प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली टीमों का स्कोर-170 अंक था, परंतु प्रॉक्टर्ड राउंड में प्रदर्शन के आधार पर अंतिम रैंकिंग तय की गई। इसके अनुसार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की टीम अत्यंत कम अंतर से प्रथम स्थान से चुकी, परंतु द्वितीय स्थान प्राप्त करने में सफल रही। इस उपलब्धि के लिए टीम को 30 हजार रुपए की पुरस्कार राशि से सम्मानित किया गया।

देश के पूर्वोत्तर राज्य मेघालय की राजधानी शिलांग के उत्तर-पूर्व में खासी पहाड़ियों के बीच बसा मॉसिनराम ग़ांव विश्व में सर्वाधिक वर्षा वाले स्थान के रूप में जाना जाता है। साल में लगभग आठ महीने बारिश से भीगने वाले इस गांव की अनेक विशेषताएं इसे दुनिया में अलग पहचान प्रदान करती हैं। क्यों होती है यहां इतनी बारिश, कैसे रहते हैं स्थानीय लोग वहां, विस्तार से जानिए।

बादलों और बारिश का बसेरा
मॉसिनराम गांव

टूरिस्ट स्पॉट / वीना गौतम

चाहे कोई शहर हो, कस्बा हो या फिर गांव, हर जगह की अपनी एक निजी पहचान, कुछ अलग विशेषता होती है। यही विशेषता उस स्थान विशेष को एक लैंडमार्क के रूप में स्थापित करती है। भारत में ऐसा ही एक स्थान है, मेघालय की राजधानी शिलांग में स्थित मॉसिनराम गांव।

सर्वाधिक वर्षा वाला स्थान

आज से कुछ दशक पूर्व तक चेरापूंजी विश्व के सर्वाधिक वर्षा वाले स्थान के रूप में जाना जाता था। लेकिन अब मॉसिनराम को सर्वाधिक वर्षा वाले स्थान का खिताब प्राप्त है। दरअसल, 1973 से 2019 के बीच मौसम विज्ञान के डेटा के मुताबिक चेरापूंजी में मॉसिनराम से 0.42 मिलीलीटर कम बारिश होने लगी थी। इस अंतर को देखते हुए सर्वाधिक वर्षा वाले स्थान का जो ताज चेरापूंजी के सिर पर हुआ करता था, वह मॉसिनराम नामक गांव के सिर पर सज गया।

इसलिए होती है सर्वाधिक बारिश

सवाल है आखिर मॉसिनराम में दुनिया की सबसे ज्यादा बारिश कैसे होती है? जबकि दुनिया में सबसे ज्यादा बारिश वाली जगहें आमतौर पर भूमध्य रेखा के आस-पास होती हैं। दुनिया में भौगोलिक रूप से देखा जाए तो सबसे ज्यादा बारिश दक्षिण अमेरिका, मध्य-पश्चिमी अफ्रीकी देशों और कुछ दक्षिण-पूर्वी एशिया के देशों में होती है। फिर मॉसिनराम ने दुनिया में सबसे ज्यादा बारिश की बाजी कैसे मार ली? इसका जवाब है कि आमतौर पर मई से सितंबर तक यहां जो बारिश होती है, उसका सबसे बड़ा कारण इस गांव की अपनी खास भौगोलिक स्थिति है। शिलांग से लगभग 60 से 65 किलोमीटर दूर उत्तर पूर्वी दिशा में खासी पहाड़ियों के बीच बसा यह गांव अपनी विशेष स्थिति के कारण दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान पानी से भरी बदलियों का डेरा बन जाता है। खासी पहाड़ियों की खास स्थिति इन पानी से भरी बदलियों को आवभगत के लिए रोकती है और ठीक तभी बंगाल की खाड़ी से आने वाली गर्म और नम हवाएं इन्हें यहां झूमकर बरस जाने के लिए मजबूर कर देती हैं। 1491 मीटर ऊंची खासी पहाड़ियों के कारण ही इन बादलों की नमी संघनित होकर बारिश में बदल जाती है।

बांस के छाते से खुद को भीगने से बचाते स्थानीय लोग

पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र

हर वर्ष मई से सितंबर तक यहां प्रायः हर रोज कम से कम एक बार तो झूमकर बादल बरसते ही हैं। यही नहीं ये बादल दिन के ज्यादातर समय यहां डेरा डाले रहते हैं। पहले देश-विदेश के लोग चेरापूंजी इसलिए घूमने जाया करते थे कि यह भारत और दुनिया में सबसे ज्यादा बारिश वाली जगह थी, उसी तरह अब लोग मॉसिनराम जाते हैं। पर्यटकों की वजह से यहां के लोगों के आय का स्रोत भी थोड़ा बढ़ा है। चेरापूंजी के सिर से हालांकि सर्वाधिक बारिश वाला ताज तो इसके पड़ोसी मॉसिनराम ने छीन लिया, लेकिन आज भी चेरापूंजी दुनिया में दूसरे नंबर के सबसे ज्यादा बारिश वाली जगह बनी हुई है। मॉसिनराम का मौसम सालभर ठंडा और ह्यूमिड यानी नमी वाला रहता है। हां, इसके बावजूद यह जगह अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए पर्यटकों को आकर्षित करती है। यही कारण है कि शिलांग या चेरापूंजी घूमने का कार्यक्रम बनाने वाले लोग अब मॉसिनराम को भी अपने पर्यटन शिड्यूल शामिल करते हैं। क्योंकि यह भारत के नक्शे में एक विशिष्ट लैंडमार्क है।

दुनिया का सर्वाधिक नम स्थान भी है मॉसिनराम

ये खूबियां बनाती हैं खास

इस गांव की अपनी कई और खूबियां भी हैं। हर समय बारिश होने के कारण यहां पानी में उगने वाली कई पत्तेदार सब्जियां खूब मिलती हैं। कई तरह के मौसमी फल भी यहां खूब मिलते हैं। पानी भरपूर होने के कारण मछलियां भी खूब पाई जाती हैं। देश के दूसरे हिस्सों में जब बारिश होती है तो आमतौर पर जनजीवन ठहर सा जाता है। लेकिन मॉसिनराम गांव में ऐसा नहीं होता। यहां के लोग बारिश के बीच चलते-फिरते और घूमते रहते हैं। यहां के बाशिंदे बारिश के समय भीगने से बचने के लिए खास तरह के बांस के बने छातों का इस्तेमाल करते हैं, जिन्हें कनूप कहते हैं। यह कनूप सिर्फ यहां की ही नहीं चेरापूंजी की भी पहचान है। दरअसल, इससे यहां के लोगों का कमर तक शरीर ढका रहता है और वे अपने सारे काम करते रहते हैं।

इसके नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

मॉसिनराम के पास दुनिया में सबसे ज्यादा बारिश का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड है। यहां पूरे साल में करीब 6 से 8 महीने लगभग हर दिन एक बार बारिश होती है और यहां देश के किसी भी बाकी हिस्से से लगभग 10 गुना ज्यादा बारिश होती है। एक साल में लगभग 11,871 मिलीमीटर। इतनी ज्यादा बारिश दुनिया में और कहीं नहीं होती। मॉसिनराम गांव, दुनिया में सबसे गीली जगह भी है। यहां पर 'वेटेस्ट प्लेस ऑफ अर्थ' का साइन बोर्ड भी लगा हुआ है।

हालांकि मॉसिनराम के दावे को चुनौती देने के लिए कुछ सालों पहले कंबोडिया के एक शहर यूरो ने दावा किया था कि उसके यहां साल में 12,717 मिलीलीटर बारिश होती है, लेकिन जब गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा उसके दावे की जांच की गई, तो यह गलत पाया गया। माना गया कि शायद बारिश को नापने का उसका पैमाना, पुराना और पारंपरिक है, जिससे उनसे यह गलतफहमी हुई। *

वास्तव में जीरो नहीं होता है
लोन पर जीरो इंटरेस्ट

आकर्षक डिस्काउंट, जीरो इंटरेस्ट पर लोन जैसे प्रलोभनों के जाल में अकसर लोग फंस जाते हैं। इन ऑफर्स या लोन पर सामान खरीदना क्या वास्तव में फायदेमंद होता है? इसकी हकीकत आपको पता होनी चाहिए।

मनी मैटर्स / शिखर चंद जैन

चाहे 15 अगस्त हो या 26 जनवरी, क्रिसमस हो या न्यू ईयर, वैलेंटाइन-डे हो, वूमेंस-डे हो, दीपावली हो या होली, प्रायः हर फेस्टिवल, खास ऑकेजन पर प्रोडक्ट निर्माता कंपनियां अपने ग्राहकों को लुभाने के लिए तरह-तरह के ऑफर्स देती हैं। साथ ही कई डीलर या उनके साथ मिलकर काम करने वाले फाइनेंसर 'जीरो इंटरेस्ट' ईएमआई पर घरेलू उपकरण देने की पेशकश भी करते हैं। अकसर ग्राहक ऑफर्स के ऐसे भ्रम जाल में फंस जाते हैं।

जीरो इंटरेस्ट का फंडा: ईएमआई या लोन पर घरेलू सामान या मशीनरी की खरीद करते समय अच्छी तरह जान लें कि डीलर या फाइनेंसर मुफ्त समाज सेवा करने के लिए नहीं बैठा है। वे अपनी रकम के बदले ब्याज वसूल करते हैं। जीरो इंटरेस्ट के पीछे एक चतुराई भरा हिसाब-किताब होता है। पहली बात, नकद खरीद में एकमुश्त पैसा देकर खरीदने पर इलेक्ट्रिक आइटमों पर काफी डिस्काउंट दिया जाता है, जो ब्रांड और सामान की क्वालिटी पर निर्भर करता है। कई बार तो यह एमआरपी पर 40 फीसदी तक भी हो सकता है। लेकिन जब आप किश्तों पर सामान खरीदते हैं, तो सारा हिसाब-किताब एमआरपी के हिसाब से ही किया जाता है। मामूली डिस्काउंट दे भी दिया जाए, तो एडमिनिस्ट्रेशन या सर्विस चार्ज के नाम पर आपसे वसूली कर ली जाती है। साथ ही आप खरीददारी के वक्त जो डाउन पेमेंट देते हैं, वो हाथों-हाथ देने के बावजूद उस पर भी ब्याज जोड़ लिया जाता है। याद रखें, 'जीरो इंटरेस्ट' का ऑफर, प्रायः प्रोडक्ट की सेल बढ़ाने का मात्र एक तरीका होता है। सच तो यह है कि ज्यादातर फाइनेंस करने वाला, लोन की रकम पर पूरा ब्याज वसूलता है। लोन पर या किश्तों पर घरेलू उपकरण खरीदना अधिकांश मामलों में घाटे का सौदा ही होता है।

ऐसे भी मिल सकता है डिस्काउंट: कई बार डीलर आपको काफी डिस्काउंट और बहुत कम एडमिनिस्ट्रेटिव फीस में भी ईजी इंस्टॉलमेंट पर सामान देने के लिए तैयार हो जाता है। ऐसा करने के पीछे कुछ कारण होते हैं। जैसे- सामान को स्टॉक में रखने और हैंडल करने की बजाय बेचने में लाभ, वैसे गैजेट्स या उपकरण का कोई नया मॉडल बाजार में आ चुका हो या आने वाला हो, जिससे उसकी मांग में गिरावट आ सकती हो, काफी दिनों से स्टॉक में रहने के बावजूद उस मॉडल की बाजार में खास मांग न आ रही हो। इन स्थितियों में उपकरण की लाइफलाइन बहुत कम हो जाती है और रीसेल वैल्यू भी गिर जाती है। इसलिए प्रोडक्ट की पूरी जानकारी लेकर ही उसे खरीदें।

इन बातों पर विचार कर लें: अगर आपको लोन या किश्तों पर सामान खरीदना ही हो, तो डीलर से कंज्यूमर लोन लेने की बजाय दूसरे विकल्पों पर विचार करके देखें। अगर आपके अपने बैंक डिपॉजिट पर कम ब्याज दर पर लोन मिल रहा हो या उससे कम ब्याज दर पर पर्सनल लोन मिल रहा हो, तो उस पर विचार करें। क्रेडिट कार्ड पर सामान खरीदना तो कई बार और भी महंगा ऑप्शन साबित हो सकता है।

समझें जरूरत-दिखावे का अंतर: कई बार लोग जरूरत न होने पर भी देखा-देखी या दिखावे के चक्कर में अनावश्यक घरेलू सामान खरीद लेते हैं। यहां ध्यान देने की बात यह है कि घरेलू सामान या उपकरणों की रीसेल वैल्यू बहुत कम होती है। साथ ही इन प्रोडक्ट्स का लाइफ स्पैन भी काफी कम होता है। इसलिए ये सामान तभी खरीदें, जब आपको इनकी जरूरत हो। जीरो इंटरेस्ट के छलावे में आकर सिर्फ दिखावे के लिए ऐसे सामानों की खरीद, आपके घरेलू बजट पर बुरा असर डाल सकती है।

तुलनात्मक लाभ को समझें: अगर आप अपने पास पर्याप्त रकम होने के बावजूद लोन पर सामान खरीद रहे हैं, तो ऐसा करना तभी ठीक होगा जब आप अपनी रकम को किसी ऐसी जगह निवेश कर रहें हों, जहां से तुलनात्मक रूप से आपको ज्यादा रिटर्न (फायदा) मिल सकता है। ऐसी स्थिति में आप फायदे में रहेंगे। अन्यथा लोन लेना सही नहीं रहेगा। *

दायित्व / विजय सिंह चौहान

जब हम किसी के लिए कुछ अच्छा या उसकी मदद करते हैं तो इससे उस जरूरतमंद इंसान का भला तो होता ही है, हमें भी संतुष्टि मिलती है। इसलिए ऐसे अवसर को कभी न गवाएं।

जितना हो सके संभव
बनें किसी का सहारा

एक वृक्ष बिना किसी अपेक्षा के हमें छाया देता है, फल-फूल देता है, लकड़ी और प्राण वायु तक देता है। वह न तो कुछ संजोता है और न ही प्रतिदान की आकांक्षा रखता है। उसका समर्पण पूर्णतः निःस्वार्थ होता है। पेड़ ही नहीं पूरी प्रकृति हमें देना, दूसरों का भला करना सिखाती है। प्रकृति का मौन संदेश है-सब कुछ देकर भी विनम्र बने रहना।

हम समझें अपना दायित्व: मानव होने के नाते हमारा भी यह उत्तरदायित्व बनता है कि हम समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को जानें, समझें और उन्हें निभाएं। किसी भटके को राह दिखाना, लड़खड़ाते को थाम लेना, निराश को आशा देना-एक इंसान, एक सामाजिक प्राणी होने के नाते हमारा सामाजिक दायित्व है।

मनुष्य होने की सार्थकता: जब भी किसी जरूरतमंद की मदद करने की बात आती है, तो कई लोगों के मन में यह प्रश्न उठता है, 'मैं ही क्यों मदद करूं?' जरा ध्यान से सोचें, तो इस प्रश्न का उत्तर हमें स्वयं ही मिल जाएगा। आज हम आभासी दुनिया में उलझे हुए हैं, मानवीय संवेदनाएं सूखती जा रही हैं। हम समस्याओं को पहचानते हैं, उन पर चर्चा भी करते हैं, पर रुक कर किसी की सहायता करना जैसे भूलते जा रहे हैं। यदि हमारा छोटा-सा प्रयास, हमारी थोड़ी-सी मदद किसी के जीवन में रोशनी भर सकती है, तो हमें इस तरह के प्रयास जरूर करने चाहिए। ऐसा न करके हम एक जरूरतमंद-लाचार को मदद से वंचित तो रखते ही हैं, साथ ही यह एक इंसान के रूप में स्वयं से भी छल है। मनुष्य वही है, जो मनुष्य के काम आए। इसलिए अगर आप समर्थ हैं तो आपको अपने सामर्थ्य के अनुसार किसी जरूरतमंद की मदद जरूर करनी चाहिए। ध्यान रखें, वास्तविक परोपकार केवल दान-पुण्य तक सीमित नहीं होता। यह एक सोच है, एक जीवनशैली जो हमें 'मनुष्य' होने के सही अर्थ से जोड़ती है।

हम क्या कर सकते हैं: अगर मन में परोपकार की सच्ची भावना है, तो हम कई तरह से किसी जरूरतमंद की मदद कर सकते हैं। किसी निर्धन बालक की शिक्षा में सहयोग करें, उसे किताबें दें या थोड़ा-सा समय निकाल कर स्वयं पढ़ाएं। ज्ञान का दीपक एक बार जल जाए, तो वह अनेक दीपों को रोशन कर सकता है। अगर आपके पास आर्थिक संसाधन सीमित हों तो तन से सेवा करें। वृक्षारोपण, जल संरक्षण, अस्पतालों या वृद्धाश्रमों में सहयोग कर सकते हैं। रक्तदान जैसे महादान के माध्यम से भी हम मानव सेवा या परोपकार कर सकते हैं।

व्यवहार से परोपकार: आप अपनी वाणी, अपने व्यवहार से भी किसी को उपकृत कर सकते हैं, किसी का संबल बन सकते हैं। आज असंख्य लोग अवसाद और अकेलेपन से जूझ रहे हैं, विशेष रूप से हमारे बुजुर्ग। ऐसे में अपनत्व भरे दो शब्द उनके जीवन की संध्या में उजास भर सकते हैं। किसी बुजुर्ग का हाथ थाम लेना, उनकी मन की सुन लेना, यह छोटा-सा आत्मीय व्यवहार उनके लिए अमूल्य हो सकता है।

कर सकते हैं सार्थक प्रयास : सेवानिवृत्त हो चुके बुजुर्ग और कुशल युवा, समाज के जरूरतमंद तबकों की मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। अपने अनुभव और ज्ञान से वे जरूरतमंद युवाओं और किशोरों को आत्मनिर्भर बनने में मार्गदर्शन दे सकते हैं। उनकी यह सेवा तात्कालिक नहीं, दीर्घकालिक प्रभाव वाली होगी।

दीर्घकालिक संस्कार: जब हम यह सोचने लगते हैं, 'मैं समाज को क्या दे सकता हूं?' तभी हम सच्चे अर्थों में मनुष्यत्व के नजदीक पहुंचते हैं। हमारा एक छोटा-सा प्रयास किसी के जीवन में आशा बनकर खिल सकता है। वास्तव में, परोपकार कोई क्षणिक भाव नहीं, बल्कि दीर्घकालिक संस्कार है। तो आइए समाज को कुछ देने का हर संभव प्रयास करें। *

फिल्म-ट्रेंड / हेमंत पाल

बॉलीवुड में जिन रिश्तों या भावनाओं को आधार बनाकर कई सफल फिल्में बनीं, उनमें से एक दोस्ती भी है। इन फिल्मों को दर्शकों ने भी खूब पसंद किया। दोस्ती के अलग-अलग रंगों से सजी कुछ फिल्मों पर एक नजर।

फिल्मों में खूब नजर आए हैं
दोस्ती के अलग-अलग रंग

'दोस्ती' ने कायम की फिल्मी दोस्ती की मिसाल

'सौदागर' में दिखी राजकुमार-दिलीप कुमार की दोस्ती

हम सभी की जिंदगी में दोस्त बहुत अहमियत रखते हैं। यही वजह है कि जिंदगी के अलग-अलग शेड्स को सिल्वर स्क्रीन पर पेश करने वाले फिल्मकारों ने भी दोस्त और दोस्ती की फीलिंग पर कई यादगार फिल्में बनाई हैं। हिंदी फिल्मों के शुरुआती दौर से कई ऐसी फिल्में बनी हैं, जिनमें दोस्ती के रिश्ते को बड़ी ही खूबसूरती के साथ पेश किया गया। दोस्ती पर आधारित ऐसी कई फिल्में हैं, जिन्हें दर्शकों का भरपूर प्यार मिला।

मील का पत्थर बनी 'दोस्ती': जब भी दोस्त और दोस्ती पर बनी फिल्मों का जिक्र होता है, 1964 में राजश्री प्रोडक्शन की फिल्म 'दोस्ती' के बिना बात पूरी नहीं होती। अपने समय की यह सुपरहिट फिल्म थी। फिल्म में शारीरिक रूप से अक्षम दो गरीब दोस्तों रामू और मोहन की कहानी दिखाई गई है। फिल्म में रामू (सुशील कुमार सोमैया) पैर से अक्षम होता है और मोहन (सुधीर कुमार सावंत) की आंखें नहीं होती हैं। वे दोनों एक-दूसरे के साथ मिलकर जीवन की चुनौतियों का सामना करते हैं। दोस्ती जैसे विषय पर बनी फिल्मों के बीच एक मील का पत्थर है यह फिल्म। उसके बाद तो दोस्ती की मिसाल वाले इस विषय को कई बार घुमा फिराकर परोसा जाता रहा। 'दोस्त', 'खुदगर्ज' 'चश्मेबद्दूर' और 'काई पो चे' में दोस्ती को अलग-अलग ढंग से पेश किया गया।

इन कलाकारों ने कई फिल्मों में निभाई दोस्ती: बॉलीवुड के बिग बी यानी अमिताभ बच्चन की कई फिल्मों का केंद्रीय विषय दोस्ती रहा। 'जंजीर', 'शोले', 'नमक हराम', 'हेराफेरी', 'शान', 'सुहाग', 'दोस्ताना', 'मुकद्दर का सिकंदर' जैसी फिल्मों को याद कीजिए। इन सभी सफल फिल्मों में अमिताभ और अन्य कलाकारों के बीच की दोस्ती के विभिन्न रंगों को अलग-अलग ढंग से पेश किया गया। 'हेराफेरी', 'मुकद्दर का सिकंदर' में अमिताभ और विनोद खन्ना की दोस्ती दिखाई गई। 'दोस्ताना' में शत्रुघ्न सिन्हा के साथ अमिताभ की दोस्ती मिसाल के रूप में याद की जाती है। 'शोले' में जय (अमिताभ बच्चन) और वीरू (धर्मेंद्र) की दोस्ती को कौन भूल सकता है भला! अमिताभ और धर्मेंद्र की दोस्ती बाद में 'चुपके-चुपके' और 'राम बलराम' जैसी फिल्मों में भी दिखी। राजेश खन्ना के साथ अमिताभ ने 'आनंद' और 'नमक हराम' में दोस्ती को जीवंतता दी। शशि कपूर के साथ 'ईमान धरम' और 'सुहाग' जैसी फिल्मों में अमिताभ ने यही दोस्ती निभाई।

'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' में दिखी नए दौर की दोस्ती

धर्मेंद्र भी उन कलाकारों में हैं, जिन्होंने कई एक्टर्स के साथ फिल्मी दोस्ती का किरदार अदा किया। फिल्मों में धर्मेंद्र की दोस्ती शत्रुघ्न सिन्हा और विनोद खन्ना के साथ कई बार बनी। इनके अलावा अनिल कपूर-जैकी श्रॉफ, अक्षय कुमार-सुनील शेट्टी और संजय दत्त-गोविंदा की दोस्ती पर बनी फिल्मों को भी दर्शकों ने खूब पसंद किया।

दोस्ती और प्रेम त्रिकोण: दोस्ती और प्रेम त्रिकोण पर आधारित कई हिंदी फिल्में बनीं और सफल हुईं।

'शोले' में जय-वीरू की यादगार दोस्ती

दो दोस्तों की दोस्ती के बीच एक लड़की आ जाती है। फिर या तो गलतफहमी पनपती है या प्रेम त्रिकोण बन जाता है। क्लाइमैक्स में या तो गलतफहमी दूर हो जाती है या फिर एक दोस्त का त्याग सामने आता है। इस तरह की फिल्मों का चलन शायद राज कपूर, राजेंद्र कुमार की फिल्म 'संगम' से शुरू हुआ था। आगे चलकर इस तरह की कई फिल्में बनीं और सफल हुईं।

यादगार है 'सौदागर' की दोस्ती: 1991 में सुभाष घई ने फिल्मी दुनिया के दो दिग्गजों दिलीप कुमार और राज कुमार को दोस्ती की डोर में बांधा और फिल्म बनाई-सौदागर। इस फिल्म की गिनती दोस्ती पर आधारित श्रेष्ठ फिल्मों में होती है।

दिखे दोस्ती के कई रूप: हर दौर में दोस्ती के आधार पर बनाई गई फिल्मों में दोस्ती के अलग-अलग रूप नजर आते रहे हैं। 'दिल चाहता है' तीन दोस्तों, आकाश (आमिर खान), समीर (सैफ अली खान) और सिद्धार्थ (अक्षय खन्ना) की कहानी है, जो अपनी जिंदगी के अलग-अलग पड़ावों से गुजरते हुए दोस्ती के महत्व को समझते हैं। '3 इडियट्स' तीन इंजीनियरिंग छात्रों की कहानी है, जो अपनी पढ़ाई, करियर और जीवन के बारे में अलग-अलग दृष्टिकोण रखते हैं, पर उनकी दोस्ती बनी रहती है। 'जिंदगी न मिलेगी दोबारा' तीन दोस्तों की कहानी है जो बैचलर पार्टी के लिए स्पेन जाते हैं और वहां अपनी दोस्ती के नए आयाम ढूंढते हैं। बीते कुछ दशकों में ऐसी फिल्में भी बनाई गईं, जिनमें दोस्ती तो थी, पर फिल्म का केंद्रीय विषय कुछ और ही था। 'रंग दे बसंती', 'कुछ-कुछ होता है', 'दिल तो पागल है' और 'चश्मे बद्दूर' जैसी फिल्मों को इस श्रेणी में रखा जा सकता है। कहने का सार है कि दोस्ती पर फिल्म बनने का सिलसिला आज भी जारी है। जिसे दर्शक पसंद भी खूब करते हैं। *

जानकारी / सुनील कुमार महला

अब कम सुनाई देती है
झींगुरों की झांय-झांय !

बारिश के मौसम में ग्रामीण या पेड़-पौधों से भरे इलाकों में सूरज ढलते ही झींगुरों की झांय-झांय सुनाई देने लगती है। कभी-कभी तो दिन के समय भी जब बारिश के कारण मौसम में ठंडक होती है, वातावरण झांय-झांय की आवाज से गूंजने लगता है। लेकिन शहरों में झींगुरों के बारे में देखने-सुनने को नहीं मिलता। आखिर इसके पीछे कारण क्या हैं?

कम होने के कारण: बढ़ती आबादी, औद्योगिकीकरण, शहरीकरण, तीव्र विकास, ग्लोबल वार्मिंग के कारण जंगलों का घनत्व कम होता जा रहा है। इंसानी शोर बढ़ने से ही झींगुरों की झांय-झांय पर लगातार खतरा मंडरा रहा है। इस संबंध में कुछ समय पहले एक शोध के नतीजे बीएमसी इकोलॉजी एंड इवोल्यूशन जर्नल में प्रकाशित हुए थे। इसके मुताबिक इंसानों के बढ़ते शोर से न सिर्फ झींगुरों का संगीत मंद पड़ा है, बल्कि उनका जीवन काल भी घट गया है।

ऐसे उत्पन्न होती है आवाज: नर झींगुर अपनी विशेष आवाज (झांय-झांय) के लिए जाने जाते हैं। यह ऐसी ध्वनि होती है, जो उनके पंखों के घर्षण से उत्पन्न होती है, जिसे स्ट्रिड्यूलेशन कहते हैं। दरअसल, इस तरह की ध्वनि के दो उद्देश्य होते हैं। एक, यह मादा झींगुरों को आकर्षित करता है और दूसरा इसके जरिए अन्य नर झींगुरों के बीच क्षेत्रों को निर्धारित करते हैं। ये मुख्य रूप से रात में सक्रिय रहते हैं।

पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण: झींगुर विभिन्न पारिस्थितिकी तंत्रों में मुख्य रूप से अपघटन, पोषक तत्वों के पुनर्चक्रण और कीट नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये सड़ने वाले कार्बनिक पदार्थों को खाते हैं, जिससे पोषक तत्वों को वापस मिट्टी में मिलाने में मदद मिलती है। दूसरे शब्दों में कहें तो झींगुर मृत पौधों और जानवरों के अवशेषों को खाते हैं, जिससे वे छोटे टुकड़ों में टूट जाते हैं और हमारे पर्यावरण में अपघटन की प्रक्रिया में मदद करते हैं। अपघटन की क्रिया से झींगुर विभिन्न पोषक तत्वों को मिट्टी में या इस धरती पर वापस छोड़ते हैं। *

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 3 अगस्त 2025

मित्रता दिवस आज

बाकी सारे रिश्ते तो हमें जन्म से मिलते हैं, एक दोस्ती का रिश्ता हम खुद ही बनाते हैं। स्वार्थ से परे, सुख-दुख पर हमेशा साए की तरह मौजूद रहने वाला यह रिश्ता हमारे लिए सबसे अधिक मायने रखता है। भले ही समय के साथ इसका स्वरूप बदल गया हो लेकिन आज भी यह उतना ही मूल्यवान है।

सबसे प्यारा-अनमोल दोस्ती का रिश्ता

कवर स्टोरी
अंशु सिंह

इस दुनिया में तरह-तरह के लोग रहते हैं। कुछ हमारे परिवार के सदस्य होते हैं, कुछ रिश्तेदार। कुछ हमसे प्रेम करते हैं तो कुछ हमसे ईर्ष्या करते हैं। कुछ ऐसे भी लोग होते हैं, जो बिना किसी फायदे के जरूरत पड़ने पर हमारी हर संभव मदद करने को सदैव तत्पर रहते हैं। हमें जीवन का सही मार्ग दिखाते हैं। दुख और मुश्किल समय में साथ खड़े होते हैं। उन्हें ही हम दोस्त कहते हैं। यह दोस्ती हमारे आपसी विश्वास और आस्था पर टिकी होती है।

स्वार्थ से परे आत्मीय रिश्ता: किसी ने कहा है, 'मुझे अपने मित्रों के बारे में बताइए, मैं आपके व्यक्तिव के बारे में बता दूंगा।' वास्तव में आपके दोस्त किस तरह के हैं, वह काफी हद तक इस बात पर निर्भर करता है कि आपका जीवन में क्या लक्ष्य है? आपका चरित्र कैसा है, आपकी सोच कैसी है?

सच में, धन-दौलत तो बहुत से लोग कमा लेते हैं। लेकिन दोस्ती जैसा सच्चा धन हर कोई नहीं कमा पाता। इस दुनिया में हर इंसान को एक ऐसे शख्स की जरूरत होती है, जिसे वह अपनी दिल की बातें बेझिझक बता सके। इसलिए दोस्त वो होता है, जिस पर आंख बंद कर भरोसा किया जा सके। दोस्तों के बीच स्वार्थ का कोई स्थान नहीं होता। न ही दोस्ती किसी की जाति, पंथ या धर्म देखती है।

पुराणों-इतिहास में मित्रता: हिंदू पौराणिक कथाओं में मित्रता के कई आदर्श उदाहरण देखे जा सकते हैं। जैसे, भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा, वानर राज सुग्रीव एवं भगवान श्रीराम, श्रीराम एवं विभीषण की मित्रता हमारे लिए आज भी आदर्श हैं। इतिहास पर नजर डालें तो 19वीं सदी के शुरुआती दौर में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक और मोहम्मद अली जिन्ना बहुत अच्छे दोस्त हुआ करते थे। वे अकसर घर-सार्वजनिक स्थलों पर मिलकर अंग्रेजों को देश से खदेड़ने के तरीकों पर चर्चा करते थे। मुगल

काल में छत्रपति शिवाजी और तानाजी भी बचपन के दोस्त थे। बाल्यकाल से ही दोनों मुगलों के अधीन किलों पर विजय पाने की रणनीति बनाया करते थे। जैसे-जैसे दोनों बड़े हुए, शिवाजी ने तानाजी की मदद से कई लड़ाइयां जीतीं और तानाजी उनके योद्धा सेनापति बन गए। इस तरह उन्होंने आजीवन अपनी दोस्ती की मिसाल कायम की। उनकी दोस्ती इतिहास में अमर हो गई।

होता है मार्गदर्शक : दोस्ती का संबंध ही ऐसा होता है कि वे सदा एक-दूसरे के लिए मौजूद रहते हैं। अपने दोस्त का हित करने के लिए व्यक्ति उसकी नाराजगी भी झेलने को तैयार रहता है। एक सच्चा दोस्त हमेशा अपने दोस्त का सबसे बड़ा शुभचिंतक होता है, उसका मार्गदर्शक होता है। हो सकता है कि किसी समय कुछ देर के लिए अपने मित्र की बातें या कार्य आपको उचित न लगें। लेकिन कभी न भूलें कि सच्चा मित्र हर स्थिति में आपका हित ही चाहता है। अगर वह कोई कार्य करने से आपको रोकता है तो उसमें जरूर आपका हित ही होगा। हो सकता है उसका मनोभाव आपको कुछ समय बाद समझ में आए।

मित्रता पर भी पड़ा तकनीकी प्रभाव: पिछले दो-तीन दशकों में विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक और तकनीकी कारणों से मित्रता में काफी बदलाव आया है। 20 वीं सदी तक दोस्ती खतों और आमने-सामने की मुलाकातों के जरिए कायम रहती थी। फिर टेलीफोन और बाद में इंटरनेट ने संपर्क बनाए रखना आसान बना दिया। इक्कीसवीं सदी में टेक्स्ट मैसेज, सोशल मीडिया और वीडियो कॉल के जरिए संवाद होने लगा। व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम और ट्विटर जैसे प्लेटफॉर्म ने तो दोस्ती बनाने और निभाने के तरीके को पूरी तरह बदल कर रख दिया। इनसे लोग दुनिया भर में एक-दूसरे से जुड़ सकते हैं। हालांकि इसमें ज्यादातर रिश्तों में गहराई नहीं होती। कह सकते हैं कि दोस्ती की परिभाषा व्यापक हो गई है। आज दोस्ती पारंपरिक बाधाओं को पार करते हुए अधिक विविध और समावेशी तरीकों से विकसित हो सकती है। बहरहाल, समय और दौर कोई भी हो, दोस्ती आज भी दो इंसानों के बीच सबसे प्यारा और अनमोल रिश्ता होता है। *

दोस्ती से बेहतर रहता है मानसिक स्वास्थ्य

पल्लवी प्रकाश
साइकोलॉजिस्ट -मोटिवेशनल कोच

अच्छे मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी दोस्ती का बहुत अधिक महत्व होता है। दोस्त, भावनाओं को व्यक्त करने, समस्याओं को साझा करने और सलाह लेने के लिए एक आत्मीय साथ प्रदान करता है। इस भावनात्मक समर्थन से तनाव, चिंता और उदासी सभी को कम किया जा सकता है। फ्रेंडशिप नेटवर्क का हिस्सा होने से व्यक्ति जुड़ाव और खुद को मूल्यवान महसूस करता है। यह अपनेपन की भावना मानसिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है और उसे अकेलेपन, अलगाव की भावनाओं से बचा सकती है। दोस्त नियमित व्यायाम, संतुलित आहार जैसी स्वस्थ आदतों को प्रोत्साहित करके और धूम्रपान या अत्यधिक शराब पीने जैसे हानिकारक आदतों से बचाकर व्यवहार को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकते हैं।

बॉलीवुड में दोस्ती

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में पिछले कुछ सालों में बहुत कुछ बदला है। एक ऐसी इंडस्ट्री जो अधिकतर बिजनेस बेनिफिट और स्वार्थ के लिए जानी जाती है। उस माहौल में भी कई स्टार्स की दोस्ती एक मिसाल की तरह है। जैसे, करीना-अमृता-मलाइका की एक दशक से भी ज्यादा पुरानी दोस्ती आज भी उतनी ही मजबूत और अटूट बनी हुई है। बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान, अनन्या पांडे और शनाया कपूर बचपन की दोस्त हैं। अनन्या, शनाया को सोल सिस्टर कहती हैं। अभिनेता रणबीर कपूर और निर्देशक अयान मुखर्जी का ब्रोमांस इंडस्ट्री में बेहद चर्चित है। सलमान खान और अजय देवगन भी वर्षों से पक्के दोस्त हैं। इस बारे में अजय कहते हैं, 'सलमान और मैं एक ही समय पर इंडस्ट्री में आए थे। पिछले 25 सालों से हमारी दोस्ती बरकरार है।'

सेल्फ मोटिवेशन
राजयोगी बीके निकुंज जी

हमेशा साथ रहता है हमारा सच्चा मित्र

यह सही है कि आज के दौर में सच्चा मित्र मिलना बहुत कठिन है। बिना किसी स्वार्थ के हमेशा साथ रहने वाला सच्चा मित्र। ऐसे ही सच्चे मित्र की तरह ईश्वर भी हमेशा हमारे साथ रहता है।

जरूरत के वक्त जो साथ दे, वही सच्चा मित्र होता है। यह पुरानी कहावत आज भी उतनी ही सच है, जितनी वर्षों पहले थी। जीवन के किसी न किसी मोड़ पर हम सभी ने इसे अनुभव किया है, कभी किसी अजनबी से, तो कभी उस शख्स से जिससे हमें कोई उम्मीद नहीं थी। लेकिन आज, जब हमारे जीवन में रिश्तों से ज्यादा 'कांटेक्ट्स' हैं, और मित्र बस केवल स्क्रीन पर दिखाई देने वाले नाम बनकर रह गए हैं, तब यह सवाल जरूरी हो गया है कि मित्रता वास्तव में हमारे लिए क्या मायने रखती है?

हर रिश्ते से ऊपर: जब आप आंखें बंद करके खुद से यह पूछते हैं कि मेरे जीवन में कौन वास्तव में मायने रखता है? तो आपका ध्यान शायद उस व्यक्ति की ओर नहीं जाता, जिसने आपको योग्य सलाह दी। बल्कि उस व्यक्ति को मन याद करता है, जो उस समय चुपचाप आपके कंधे पर हाथ रखकर पास बैठा रहा, जब आपकी दुनिया बिखर रही थी। जी हां! मित्रता वही रिश्ता है, जो न खून के रिश्ते से बंधा होता है, न शर्तों पर टिका होता है। एक सच्चा मित्र आपको वैसे ही स्वीकार करता है, जैसे आप हो न कि जैसे वह आपको देखना चाहता है। शायद इसलिए ही परिवार या रिश्तेदार से ऊपर हम हमेशा मित्रता को रखते हैं क्योंकि यही एक ऐसा रिश्ता है, जो हम अपनी पसंद से चुनते हैं।

बनता है आत्मिक संबंध: एक सच्चा मित्र शायद हमसे हमारी पसंद की बात हमेशा कह न पाए, लेकिन उसकी बात सीधे दिल तक पहुंचती है और इसीलिए उस व्यक्ति के साथ हमें एक आत्मीयता सी महसूस होती है, जो न किसी तर्क पर टिकी होती है, न किसी प्रयोजन पर। जब यह जुड़ाव दोनों ओर से होता है, जब आत्माएं एक-दूसरे को पहचानें और सम्मान दें, तब एक सुंदर संबंध का जन्म होता है। एक ऐसा संबंध, जो जीवन भर और शायद उसके बाद भी बना रहता है।

सच्ची नहीं आभासी मित्रता: आज बदलते युग में मित्रता का अर्थ बदलता जा रहा है। आज हम सहकर्मी, सहपाठी, जिम के साथी या सोशल मीडिया फॉलोअर्स को भी मित्र कह देते हैं। लेकिन साथ रहना और दिल से जुड़ना इन दोनों में बड़ा फर्क है। फेसबुक फ्रेंड होना, इंस्टाग्राम पर जन्मदिन की बधाई देना, ये सब असली मित्रता नहीं है। सच्ची मित्रता वहां होती है, जहां भावनात्मक समानता होती है, दिल से दिल का रिश्ता होता है, जहां न अहं होता है और न किसी भी प्रकार की अपेक्षा।

सवाल उठता है कि तो कौन होता है सच्चा मित्र? एक ऐसा व्यक्ति जिसके समक्ष आप बिना किसी मुखौटे के अपने मूल रूप में रह सकें, बिना कुछ छुपाए, बिना कुछ साबित किए। जो आपके दोषों को जानकर भी आपका साथ न छोड़े। जो शब्दों से नहीं, मौन से भी दिल तक पहुंच जाए और एक हल्के से स्पर्श या दृष्टि से आपको यह जता दे 'मैं यहीं हूं तुम्हारे साथ।' आज के इस तेज रफ्तार जीवन में, सबसे दुर्लभ बात है, उपलब्धता। वर्तमान काल में ऐसा कोई है, जो बिना विचलित हुए बस आपकी बात सुने? है कोई ऐसा? आजकल तो सभी से ज्यादातर, 'थोड़ी देर बाद बात करते हैं', फिर से कॉल करता हूं', 'थोड़ा बिजी हूं' यही सब सुनने को मिलता है, जो भावनात्मक दूरी की नई भाषा बन चुके हैं। इसीलिए इस बात से कोई इंकार नहीं करेगा कि आज हम एक ऐसे दौर में जी रहे हैं, जहां रिश्ते भी सुविधाओं के अनुसार चलते हैं। जब जरूरत हो, तब याद किया जाता है। जब हम किसी के काम के नहीं रहते, तो भुला दिए जाते हैं।

ईश्वर होता है हमारा परममित्र: आज के समय में ऐसा मित्र मिलना मुश्किल है, जो बिना किसी अपेक्षा के, बिना किसी शर्त के साथ दे। मैंने अपने अनुभव में पाया कि सबसे स्थायी, सबसे निःस्वार्थ मित्रता मुझे इंसानों में नहीं, बल्कि किसी और में मिली, सर्व शक्तिमान परमात्मा में। जी हां, उस दिव्य सत्ता में जिसे आप भगवान, ईश्वर, खुदा, सर्वोच्च आत्मा या सिर्फ मेरा सबसे प्यारा मित्र कह सकते हैं। हम प्रार्थना में अकसर उसे पिता, माता, गुरु या मार्गदर्शक कह कर पुकारते हैं। लेकिन क्या कभी आपने उससे एक मित्र की तरह बात की है? बिना किसी औपचारिकता, बिना किसी रीति-नीति के, बस सीधे दिल से? एक बार कोशिश कीजिए। जैसे अपने सबसे करीबी दोस्त से आप बात करते हैं, वैसे ही उनसे भी करिए, बिना कोई डर, बिना संकोच। फिर देखना आप अंदर ही अंदर महसूस करेंगे एक ऐसी शांति, ऐसा सुकून, जो किसी मानवीय रिश्ते में नहीं मिलता। उसका प्रेम प्रदर्शन पर नहीं अपितु उपस्थिति पर आधारित है। बस उसे दिल से याद कीजिए और वो आपकी हर धड़कन में मौजूद मिलेगा। *

लाइफस्टाइल
शिखर चंद जैन

जिंदगी में अच्छे दोस्तों की अहमियत बहुत ज्यादा है, क्योंकि हम जो कुछ भी हैं अपने आस-पास के लोगों, अपनी संगत और माहौल की वजह से ही हैं। हमारे सपने, लक्ष्य, सोचने और काम करने का तरीका, रहन-सहन और जीने का अंदाज बहुत कुछ उन्हीं लोगों से प्रभावित होता है, जिनके साथ हम अपना ज्यादातर वक्त बिताते हैं। इसे मनोविज्ञानी लॉ ऑफ अट्रैक्शन कहते हैं। अमेरिकी व्यवसायी जिम रॉन ने कहा है कि आप उन 5 लोगों का एवरेज होते हैं, जिनके साथ आप हमेशा रहते हैं। इसलिए दोस्त बनाने में बहुत सावधानी बरतनी चाहिए।

जो देते हैं स्मार्ट सोशल सपोर्ट: हम जो कुछ करते हैं, उसमें प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से बहुत सारे लोगों का इंवॉल्वमेंट होता है। पर्सनल लाइफ हो या प्रोफेशनल लाइफ, अपने आर्थिक, मानसिक, सामाजिक और शारीरिक हितों के लिए हमें कुछ लोगों पर निर्भर होना पड़ता है, अच्छे दोस्त यह जरूरत पूरी करते हैं।

अच्छे दोस्त मिलना सौभाग्य की बात है। इससे जिंदगी गुलजार हो जाती है। इसलिए किसी को अपना घनिष्ठ दोस्त बनाने से पहले उसमें मौजूद कुछ क्वालिटीज के बारे में जरूर जान लेना चाहिए।

जिंदगी में बहुत जरूरी हैं ऐसे दोस्त

जो ज्यादा समझदार हों: महान दार्शनिक कन्फ्यूशियस ने कहा था, 'अगर आप अपने इनर सर्किल में सबसे स्मार्ट या बुद्धिमान व्यक्ति हैं तो आप एक गलत सर्किल में रह रहे हैं।' कहने का तात्पर्य यह है कि आपको खुद से ज्यादा सफल, सक्षम, समझदार और प्रतिष्ठित दोस्तों के बीच रहना चाहिए। इसलिए आप ऐसे लोगों को दोस्ती के लिए चुनें, जो आपकी सफलता और मानसिक सुकून में आपके साथी बन सकें।

जिनका साथ अच्छा लगे: मानसिक बीमारियों के प्रबल वर्तमान दौर में मन का सुकून बड़ी दुर्लभ चीज हो गई है। अधिकांश इंसान दुश्चिंता और अवसाद से घिरे रहते हैं। ऐसे में जिन लोगों के बीच रहकर आपको मानसिक सुकून मिलता हो, जिनके साथ हंसी-मजाक का दौर चलता हो, उन्हें अपनी जिंदगी का हिस्सा जरूर बनाएं।

जिनकी उपस्थिति में सहज महसूस करें: ऐसे दोस्त जिनकी उपस्थिति में आप सहज महसूस करें और अपने मन की बातें बिना लाग लपेट के खुलकर कह सकें, उनको साथ रखना चाहिए। ये ऐसे लोग होते हैं, जिनके कुछ कहने पर आपका ईगो हर्ट नहीं होता और आप कुछ कह दें तो ये भी दिल पर नहीं लेते। ये शॉक एब्जॉर्बर करने वाले लोग, जिनकी आपको जरूरत होती है।

जो बुरे वक्त में साथ खड़े रहते हों: हर व्यक्ति की जिंदगी में दो चार दोस्त ऐसे जरूर होने चाहिए, जो बुरे वक्त में उसके साथ खड़े रह सकें। बीमारी की स्थिति में सही डॉक्टर या अस्पताल तक पहुंचाना और तीमारदारी, दुख की घड़ी में

संबल प्रदान करने वाला और आर्थिक मुसीबत के वक्त पैसों की मदद करने वाले लोग निहायत जरूरी हैं। आपको भी ऐसे लोगों से अपने रिश्ते प्रगाढ़ रखने चाहिए।

जो आत्मविश्वास बढ़ाते हों: आप किसी नए प्रोजेक्ट पर काम करना चाहते हैं, कोई नया बिजनेस करना चाहते हैं या चैलेंजिंग जॉब ज्वाइन करना चाहते हैं तो शुरू-शुरू में हिचक रहती है। ऐसे में आप असफल लोगों से राय मांगेंगे तो वे आप को हतोत्साहित कर देंगे। वहीं सकारात्मक स्वभाव के दोस्त आपका आत्मविश्वास बढ़ाएंगे, पॉजिटिव सजेशन देंगे और आपको प्रेरणा देंगे। ऐसे लोगों से मेल मिलाप अवश्य रखें।

जो आपसे ईर्ष्या ना करते हों: कुछ लोग अपने इर्द-गिर्द वालों की तरक्की, खुशहाली और सुकून नहीं देख सकते। ये ईर्ष्यालु होते हैं और मौका मिलते ही टांग खींचते हैं। ऐसे लोगों से दोस्ती करने से दूर रहें। जो लोग आपकी सफलता को सराहते हैं और आपसे प्रेरणा या सलाह लेना चाहते हैं, उन्हें अवश्य अपने सर्किल में रखें। इनसे आप जीवन में कभी खुद को अकेला महसूस नहीं करेंगे। *

दोहे / राजश्री राठी

बरखा नर्तन करे

झंकृत वीणा हृदय की छेड़ रही अनुराग।
बरखा नर्तन यूं करे जैसे पद में राग।।
नैन बाट जोहत रहे भर-भर कर मनुहार।
बरखा का स्वागत करे हृदय कुसुम बन हार।।
बरखा छम-छम यूं करे ज्यूं पायल झनकार।
दुल्हन रूप धरा लिए सज सोलह सिंगार।।
गरजे घन-घन मेघ जब करते बंद किवाड़।
बैरन सी बरखा हुई मन को रही बिगाड़।।
बादरवा घनन गरजे मन मोरा घबराय।
पिया रहे परदेस में नैन नेह बरसाय।।
छम-छम बरखा जो हुई मन मे भरी उमंग।
आसमान में उड़ रही जैसे कोई पतंग।।

कहानी
विनय कुमार पाठक

राखी का तोहफा

बेईमानों से भरी इस दुनिया में भी बहुत से ऐसे ईमानदार हैं, जिनका मन विपन्नता में भी किसी के पड़े बैग में ढेर सारे पैसे देखकर भी नहीं डगमगाता। ऐसे ही एक कबाड़ बटोरने वाले गरीब इंसान की दिल को छूती कहानी।

एआई इमेज

राजेंद्र एक कबाड़ बीनने वाला है, वह रोज की तरह रेलवे स्टेशन पर कचरे के ढेर में अपने काम की चीजें तलाश रहा था। उसकी नजरें बेहद सतर्क थीं-प्लास्टिक की बोतलें, टीन के डिब्बे और अपने काम की अन्य चीजे, उसकी निगाहें तलाश रही थीं। इन्हें वह कबाड़ी को बेचकर कुछ पैसे कमा लेता था। उसने अपनी बोरी में ऐसी कई चीजें भर रखी थीं, लेकिन वह कुछ और सामान बटोरना चाह रहा था।

तभी राजेंद्र की नजर दूर पड़े एक भूरे रंग के हैंडबैग पर पड़ी। 'शायद किसी अमीर आदमी ने यूं ही फेंक दिया होगा।' राजेंद्र ने सोचा। उसे मालूम है, जो चीजें अमीरों के लिए बेकार होती हैं, वही किसी गरीब के लिए बहुत काम की होती हैं। उसे पहले भी कूड़े से एक जोड़ी अच्छे जूते मिले थे, जिसे वह खुद इस्तेमाल कर रहा था। यह बैग उसे कुछ ऐसा ही अवसर लग रहा था।

तेजी से चलकर राजेंद्र उस बैग तक पहुंचा। सौभाग्य से आस-पास कोई और रद्दी बीनने वाला नहीं था। बैग अच्छी हालत में था। बस उसका हैंडल टूटा हुआ था, जिसे कोई मोची आसानी से ठीक कर सकता था। राजेंद्र ने इधर-उधर देखा कि कोई देख तो नहीं रहा, फिर बैग के बीच वाला चेंबर खोला। अंदर देखा तो उसके होश उड़ गए-उसमें पांच सौ के नोटों की एक मोटी गड्डी थी। साथ ही एक क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड भी रखा दिखा। यह अप्रत्याशित दौलत देखकर राजेंद्र के मन में खुशी की लहर दौड़ गई। लेकिन दूसरे ही पल उसे अहसास हुआ कि कार्ड उसके किसी काम के नहीं हैं। राजेंद्र ने सुना था कि किसी और के कार्ड इस्तेमाल करने पर जेल हो सकती है। हो सकता है, यहां कहीं लगा सीसीटीवी कैमरा यह सब कवर कर रहा हो। उसका बेवजह फंसने का कोई इरादा नहीं था। एकाएक राजेंद्र के दिमाग में आया, हो सकता है इस बैग के मालिक को पैसों की बहुत जरूरत हो, दवाई या किसी और जरूरी काम के लिए। अपने मन के बोझ को दूर करने के लिए वह सीधे रेलवे स्टेशन जा पहुंचा। स्टेशन मास्टर के केबिन में जाकर बोला, 'साहब, यह बैग मुझे रेलवे ट्रैक के पास मिला था, जब मैं कबाड़ बीन रहा था।'

'ठीक है, जाकर उधर एक किनारे बैठ जाओ।' स्टेशन मास्टर ने कहा। वहां रूम में एक व्यक्ति बैठा हुआ था। वह चिंतित दिख रहा था।

'मिस्टर अजय, शायद यही वह बैग है, जिसकी आप तलाश कर रहे थे।' स्टेशन मास्टर ने उस व्यक्ति से पूछा।

'संभव है, मेरी कुलीग मीनाक्षी ने बताया था कि उसका ब्राउन बैग खो गया है। इसका डिटेल इससे मेल खाता है। उसमें आईडेंटिटी कार्ड, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड और आज की सैलरी थी।' अजय ने जवाब दिया और राजेंद्र को थोड़ा संदेह की नजर से देखा।

'हां, इसमें पांच सौ के नोटों की मोटी गड्डी और दो कार्ड हैं।' राजेंद्र ने बताया।

'हमें इसकी पुष्टि करनी होगी।' स्टेशन मास्टर ने कहा और बैग खोलकर देखा। अंदर मीनाक्षी माथुर का ऑफिस पहचान पत्र और दोनों कार्ड मौजूद थे। नाम कार्ड पर स्पष्ट लिखा हुआ था।

'अजय जी, प्लीज मीनाक्षी जी को तुरंत फोन करें और बताएं कि उनका बैग मिल गया है, मेरे पास सुरक्षित है। आधार, वोटर कार्ड या पैन कार्ड लेकर आएं और सत्यापन करवा लें।' स्टेशन मास्टर ने कहा।

अजय ने तुरंत मीनाक्षी को कॉल किया। वह पहले से ही बहुत परेशान थी। कॉल उठाते ही बोली, 'मैं अभी आ रही हूं। आधे घंटे में पहुंच जाऊंगी। प्लीज उस सज्जन को रोकिए, जिन्होंने बैग लौटाया है। मैं उन्हें धन्यवाद देना चाहूंगी। मेरे लिए यह पैसा बहुत जरूरी है।'

'सर, अब मैं जा सकता हूं?' राजेंद्र ने पूछा।

'हां, आप जा सकते हैं। आपकी ईमानदारी सराहनीय है। रेलवे प्रशासन को मैं आपके लिए पुरस्कार की सिफारिश करूंगा। आप अपना नाम और पता नोट करवा दीजिए।' स्टेशन मास्टर ने कहा।

'भाई साहब, जरा रुक जाइए। बैग की मालकिन आने ही वाली हैं, वो आपको व्यक्तिगत रूप से धन्यवाद देना चाहती हैं।' अजय ने आग्रहपूर्वक कहा।

'ठीक है।' राजेंद्र ने कहा और अपना बोरा किनारे रखकर बैठ गया। करीब पैंतालीस-पचास मिनट बाद मीनाक्षी पहुंची, थोड़ी हांफती हुई।

'माफ कीजिए, ट्रैफिक बहुत था, इसलिए देर हो गई।' मीनाक्षी ने कहा। फिर अपना आधार कार्ड देकर प्रक्रिया पूरी की। स्टेशन मास्टर ने उसे बैग सौंप दिया।

'भाई साहब, मैं आपकी ईमानदारी के लिए आपको दिल से धन्यवाद देना चाहती हूं। आज मेरी सैलरी मिली थी, वह कुछ ही घंटों में गुम हो गई। भीड़ में ट्रेन से उतरते समय हैंडल टूट गया था। ढूंढने की बहुत कोशिश की, लेकिन नहीं मिला। मैं आपको कुछ देना चाहती हूं, इसलिए देर हो गई। क्या आपको पता है कि आज रक्षा बंधन है?' मीनाक्षी ने अपने पर्स से एक राखी निकाली और मुस्कुरा दी। राजेंद्र ने बिना झिझक अपना हाथ बढ़ा दिया। मीनाक्षी ने पूरे स्नेह से उसे राखी बांधी। राजेंद्र ने अपनी फटी हुई जेब से एक छोटा पर्स निकाला। उसमें केवल दस रुपए का एक नोट था। उसने उस नोट को निकाला और कहा, 'मेरे पास बस यही है।' 'भैया, आपको कुछ भी देने की जरूरत नहीं है। आपकी ईमानदारी ही मेरे लिए सबसे बड़ा तोहफा है।' मीनाक्षी ने कहा और अपने बैग की ओर इशारा किया, आगे बोली, 'मैं मिठाई नहीं ला पाई तो कृपया ये पैसे रख लीजिए। अपने लिए मिठाई खरीद लीजिएगा।' उसने बैग से पांच सौ के दो नोट निकाले और राजेंद्र को सौंप दिए।

राजेंद्र थोड़ा झिझका, लेकिन स्टेशन मास्टर और अजय ने उसे कहा, 'यह पैसा स्वेच्छा से दे रही हैं, इसे लेने में कोई बुराई नहीं है।' अंततः राजेंद्र ने पैसे ले लिए और कमरे से बाहर निकल गया।

'आज भी ऐसे नेक लोग हैं दुनिया में।' मीनाक्षी ने अजय से कहा। वह राजेंद्र को जाते हुए तब तक देखती रही, जब तक नजरों से ओझल नहीं हो गया। *